वर्ष : 33 | अंक : 298 | पृष्ठ : 8 | मुंबई, सोमवार, 13 जनवरी 2025 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल

P7

DBD दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

P8

अक्षय कुमार स्टारर फिल्म 'भूत बंगला' में तब्बू की एंट्री

बड़े लक्ष्य के लिए हर नागरिक को जुटना होगा: मोदी

संगम की रेती पर सनातन का उत्सव, संतों का समागम

- अध्यात्म और आस्था की लगेगी डुबकी
- आज से भव्य और दिव्य महाकुंभ का आगाज

एजेंसी । प्रयागराज

महाकुंभ 2025 का आगाज आज से शुरू होने जा रहा है, जो धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक दृष्टि से अत्यधिक महत्वपूर्ण है। इस साल के महाकुंभ में खास बात यह है कि 144 वर्षों के बाद एक दुर्लभ शुभ संयोग बन रहा है, जिसे भक्तों और साधु-संतों के लिए विशेष महत्व माना जा रहा है। महाकुंभ का आगाज 13 जनवरी को पौष पूर्णिमा के स्नान से होगा। इस दिन पूर्णिमा तिथि की शुरुआत सुबह 5:03 बजे से होगी, जो धार्मिक अनुष्ठानों के लिए एक उपयुक्त समय है।

14 जनवरी को होगा पहला शाही स्नान

महाकुंभ का पहला शाही स्नान मकर संक्रांति के अवसर पर होगा, जो 14 जनवरी 2025 को होगा। शाही स्नान का ब्रह्म मुहूर्त सुबह 5 :27 बजे से शुरू होगा और यह 6 :21 बजे तक रहेगा। इस समय स्नान करने से विशेष धार्मिक लाभ माना जाता है। इसके अलावा, विजय मुहूर्त दोपहर 2 :15 से 2 :57 बजे तक होगा और गोधूलि मुहूर्त शाम 5 :42 से 6 :09 बजे तक रहेगा। ये मुहूर्त विशेष रूप से श्रद्धालुओं के लिए महत्वपूर्ण होते हैं क्योंकि इन्हें शुभ समय माना जाता है।

कुल छह शाही स्नान होंगे

महाकुंभ के दौरान कुल छह शाही स्नान होंगे, जिनमें पहला शाही स्नान 14 जनवरी को होगा, दूसरा शाही स्नान 14 जनवरी 2025 को मकर संक्रांति पर होगा, तीसरा स्नान 29 जनवरी 2025 को मौनी अमावस्या पर होगा, चौथा शाही स्नान 2 फरवरी 2025 को बसंत पंचमी पर होगा, पांचवां शाही स्नान 12 फरवरी 2025 को माघ पूर्णिमा पर होगा और आखिरी शाही स्नान 26 फरवरी 2025 को महाशिवरात्रि पर होगा। इन स्नानों का धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व अत्यधिक है और यह स्नान लाखों भक्तों के लिए आत्मिक शांति और मुक्ति का मार्ग खोलते हैं।

'विश्वासघात की राजनीति का अंत'

शरद पवार और उद्धव ठाकरे पर जमकर खूब बरसे अमित शाह

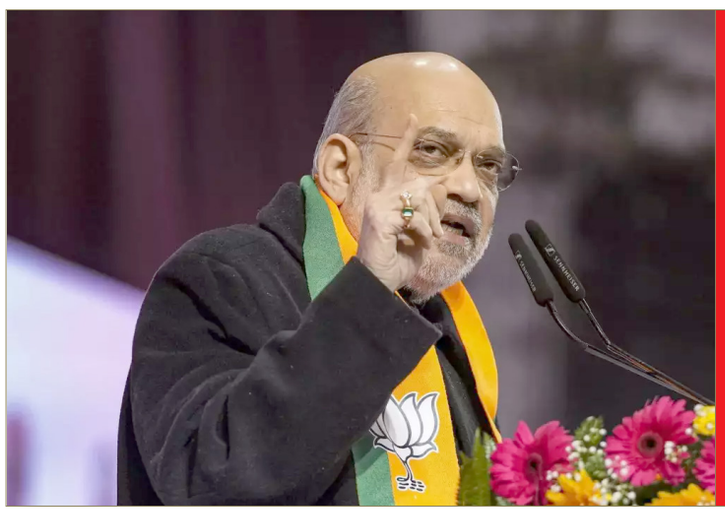

- अमित शाह ने शरद पवार पर 1978 से विश्वासघात की राजनीति का आरोप लगाया
- शाह ने किसानों की आत्महत्या रोकने में पवार की विफलता पर सवाल उठाया
- दिल्ली में बीजेपी की जीत का विश्वास जताते हुए अमित शाह ने विपक्ष को चेताया

अमित बृज । मुंबई

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को एनसीपी (एसपी) अध्यक्ष शरद पवार और शिवसेना (यूबीटी) चीफ उद्धव ठाकरे पर निशाना साधा। शाह ने कहा कि एनसीपी (एसपी) के प्रमुख शरद पवार ने 1978 से महाराष्ट्र में विश्वासघात और छल-कपट की राजनीति की। इसका अंत विधानसभा चुनाव में बीजेपी की जबरदस्त जीत और स्थिर सरकार बनाने के संकल्प के साथ हुआ। अमित शाह ने शिरडी में भारतीय जनता पार्टी (BJP) के राज्य-स्तरीय अधिवेशन को संबोधित करते हुए कहा कि महाराष्ट्र की जनता ने पिछले साल के चुनाव में वंशवाद और विश्वासघात की राजनीति को खारिज करके शरद पवार और शिवसेना (यूबीटी) नेता उद्धव ठाकरे को उनकी जगह दिखा दी।

बीजेपी कार्यकर्ता है भारी जीत के असली सूत्रधार

बीजेपी कार्यकर्ताओं को राज्य में पार्टी की भारी जीत का असली सूत्रधार बताते हुए शाह ने कहा कि आप पंचायत से लेकर संसद तक पार्टी की जीत के सूत्रधार हैं। आपको भाजपा को अजेय बनाना है, ताकि कोई फिर से उसे धोखा देने की हिम्मत न कर सके। उन्होंने बीजेपी कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर पर पार्टी को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करने और बड़ी संख्या में महिलाओं और किसानों को शामिल करने को कहा।

चुनाव ने महाराष्ट्र में अस्थिरता की राजनीति को किया खत्म

अमित शाह ने कहा कि चुनाव ने महाराष्ट्र में अस्थिरता की राजनीति को भी समाप्त कर दिया। जो 1978 में शुरू हुई थी। साल 1978 में शरद पवार, जिन्होंने बाद में एनसीपी की स्थापना की, 40 विधायकों के साथ वसंतदादा पाटिल सरकार से बाहर निकल गए और मुख्यमंत्री बन गए। शिवसेना (अविभाजित) और बीजेपी ने 2019 का विधानसभा चुनाव साथ मिलकर लड़ा था। लेकिन ठाकरे ने मुख्यमंत्री पद को लेकर गठबंधन तोड़ दिया। बीजेपी ने इस कदम को लेकर बार-बार उनका मजाक उड़ाया है।

शरद पवार पर बोला हमला

साल 2024 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी, एनसीपी और शिवसेना के महायुति गठबंधन ने राज्य की 288 सीट में से 230 पर जीत दर्ज की। बीजेपी 132 सीट के साथ पहले स्थान पर रही। विपक्षी महा विकास अघाड़ी (MVA) महज 46 सीट पर सिमट गई। इनमें राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) और शिवसेना (यूबीटी) को क्रमशः 10 और 20 सीट ही मिलीं। शाह ने कहा कि शरद पवार ने 1978 में महाराष्ट्र में दगा-फटका(छल-कपट) की राजनीति शुरू की। इसे 2024 (चुनाव) में लोगों ने नकार दिया। इसी तरह वंशवाद की राजनीति और उद्धव ठाकरे के विश्वासघात को भी नकार दिया गया। जनता ने 2024 के चुनाव में पवार और उद्धव ठाकरे को उनकी जगह दिखा दी।

किसानों की आत्महत्या को नहीं रोक सके शरद पवार

शाह ने कहा कि शरद पवार ने मुख्यमंत्री का पद संभाला, कई सहकारी संस्थाओं का नेतृत्व किया और केंद्रीय कृषि मंत्री भी रहे, लेकिन वह किसानों की आत्महत्या को नहीं रोक सके। उन्होंने कहा कि केवल बीजेपी ही यह (किसानों की आत्महत्या को रोकने का काम) कर सकती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसानों के कल्याण के लिए कई योजनाएं बनाई हैं। केंद्रीय मंत्री ने विपक्ष से कहा कि वे बीजेपी सरकार को अपने सभी आश्वासनों को पूरा करते हुए देखें और यह सवाल न करें कि यह कैसे किया जाएगा। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र की प्रगति के बिना भारत का विकास संभव नहीं है और राज्य में बीजेपी के नेतृत्व वाली सरकार इसे पूरा करेगी। महाराष्ट्र में बीजेपी की जीत के दीर्घकालिक परिणाम होने का जिक्र करते हुए शाह ने कहा कि इस ऐतिहासिक जीत ने इंडिया गठबंधन का आत्मविश्वास तोड़ दिया है।

इंडिया गठबंधन का पतन शुरू, दिल्ली जीतेगी बीजेपी

दिल्ली, पश्चिम बंगाल, बिहार और महाराष्ट्र में कांग्रेस और सहयोगी दलों के बीच मतभेदों का हवाला देते हुए शाह ने कहा कि इंडिया गठबंधन का पतन शुरू हो गया है। उन्होंने विश्वास जताया कि बीजेपी पांच फरवरी को होने जा रहे दिल्ली विधानसभा चुनाव में आसानी से जीत हासिल करेगी। उन्होंने कहा कि शिवसेना (यूबीटी) महाराष्ट्र के स्थानीय निकाय चुनाव में अकेले चुनाव लड़ रही है, आम आदमी पार्टी और कांग्रेस दिल्ली विधानसभा चुनाव अलग-अलग लड़ रही है। पश्चिम बंगाल और बिहार में विपक्षी गठबंधन के लिए हालात अच्छे नहीं हैं। आठ फरवरी को अपने पटाखे तैयार रखें, क्योंकि बीजेपी दिल्ली जीतेगी।

अवैध बांग्लादेशियों को फर्जी तरीके से बर्थ सर्टिफिकेट देने के पर भड़के CM फडणवीस

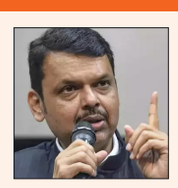

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने एक बार फिर से वोट जिहाद का मुद्दा उठाया और विपक्ष पर जमकर हमला बोला। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को कहा कि बांग्लादेशी प्रवासियों का भारत में मतदान का अधिकार हासिल करने के वास्ते राज्य में अवैध रूप से जन्म प्रमाणपत्र के लिए आवेदन करना 'वोट जिहाद भाग 2' है।

टोरेस निवेश घोटाला

यूक्रेनी नागरिक निकले घोटाले के मास्टरमाइंड

- अधिक निवेश करने वालों को कार सहित कई आकर्षक उपहार दिए
- पुलिस ने छापेमारी में घोटाले से संबंधित 18.5 करोड़ रुपये जब्त किए

धीरज सिंह । मुंबई

टोरेस निवेश घोटाले के मुख्य आरोपियों की पहचान एक महिला सहित दो यूक्रेनी नागरिकों के रूप में हुई है। इसका नाम अर्टिम और ओलेना स्टोइनको है। महिला ने लोगों ने सोने-चांदी में निवेश पर बड़ा मुनाफा देने का झांसा देकर सैकड़ों लोगों से करोड़ों रुपये ठगे और फरार हो गए। अर्टिम और ओलेना के खिलाफ जल्द ही एक लुक आउट सर्कुलर (एलओसी) जारी किया जाएगा।

मुंबई में ज्वेलरी के स्टोर खोले, निवेश की लुभावनी स्कीम निकाली

यूक्रेनी नागरिकों ने मुंबई में स्थानीय लोगों के साथ मिलकर टोरेस ज्वेलरी नाम से लगभग छह स्टोर खोले। लोगों का भरोसा जीतने के लिए अपराधियों ने लकी ड्रॉ पुरस्कार बोलकर 14 लोगों को लग्जरी कार भी दी। पिछले हफ्ते सभी स्टोर बंद हो गए। तब लोगों को ठगी का अहसास हुआ। इसके बाद पुलिस जांच में जुट गई। मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने इस मामले में 3 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि कंपनी के मैनेजमेंट और कर्मचारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। वहीं, दो यूक्रेनी नागरिकों को मुख्य आरोपी के रूप में नामित किया गया है।

क्रिसमस की छुट्टियों पर गए और वापस नहीं आए

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अर्टिम और ओलेना दिसंबर, 2024 में भारत छोड़कर भाग गए। उन्होंने कंपनी के कर्मचारियों और एजेंटों को बताया कि वो क्रिसमस की छुट्टी पर जा रहे हैं। उसके बाद नहीं लौटे। पुलिस इस मामले की भी जांच कर रही है कि क्या कुछ साल पहले तुर्की में हुई इसी तरह की सामूहिक धोखाधड़ी में भी इन्हीं यूक्रेनी लोगों का नाम था?

फैक्ट्री के अंदर 100 से ज्यादा महिलाओं को दिया गया 'जहर'

- हॉस्पिटल में चल रहा इलाज

मुनीब चौरसिया । अमरावती

महाराष्ट्र के अमरावती में एक फैक्ट्री के अंदर 100 से ज्यादा महिलाओं को जहर देने का मामला सामने आया है। महिलाओं की तबीयत बिगड़ने के बाद हंगामा हो गया। जिसके बाद महिलाओं को आनन-फानन में हॉस्पिटल में भर्ती किया गया है। महिलाओं को पानी या नाश्ते में जहर जैसा कोई पदार्थ देने की आशंका है। जिसकी वजह से महिलाओं की तबीयत बिगड़ी और उन्हें पेट दर्द, उल्टियां, मतली जैसे लक्षण दिखाई देने लगे।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पूरा मामला अमरावती के नंदगांव पेठ में स्थित गोल्डन फाइबर कंपनी का है। इस कंपनी में 100 से ज्यादा महिलाओं की कंपनी के अंदर अचानक तबीयत

बिगड़ गई। सभी महिलाओं को गंभीर हालत में अमरावती जिला हॉस्पिटल में भर्ती किया गया है। सभी का इलाज चल रहा है। पीड़ित महिलाओं ने बताया है कि कंपनी के नाश्ते में या फिर पानी में जहर जैसा कुछ मिला हो सकता है जिसकी वजह से सबकी तबीयत बिगड़ी है। महिलाओं ने बताया कि कंपनी में करीब 700 महिलाओं काम करती हैं। महिलाओं को सुबह करीब 9 बजे से ही मतली आना, उल्टियां होने और पेट दर्द जैसे लक्षण दिखाई दे रहे थे। कंपनी संचालकों की लापरवाही की हद तो तब हो गई जब इतनी सारी महिलाओं की तबीयत बिगड़ने के बाद भी उन्हें कंपनी से बाहर नहीं जाने दिया बल्कि वहीं पर डॉक्टर बुलाकर उनका इलाज कराया गया।

मनसे पदाधिकारी ने की पहल

स्थानीय मनसे के पदाधिकारी ने इस पूरे मामले में पहल की। उन्हें इस बात की जानकारी लगी कि कंपनी के अंदर जहर देने जैसे हालात बने हुए हैं। जिन महिलाओं को छुट्टी दी गई थी उनके जरिए यह बात फैल गई। मनसे पदाधिकारी तुरंत कंपनी में गए और पुलिस को सूचित किया। जिसके बाद बाकी महिलाओं को भी जिला हॉस्पिटल में भर्ती किया गया है। कुछ महिलाओं की हालत नाजुक बताई जा रही है।

तेज हवाओं ने बढ़ा दी अमेरिका की मुसीबत

- शहरों की ओर फैलने लगी भीषण आग
- 12 हजार मकान जले, 16 की मौत

एजेंसी । लॉस एंजिल्स

अमेरिका लॉस एंजिल्स काउंटी में जंगल की आग को फैलने से रोकना बेहद मुश्किल साबित हो रहा है। तेज हवाओं ने मुसीबत और बढ़ा दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक हवाओं की वजह से आग तेजी से रिहाइशी इलाके की ओर बढ़ रहा है। अगर शहरों तक आग पहुंच जाती है तो बड़ी संख्या में मकान जलकर खाक हो सकता हैं। अब तक इस आग में कम से कम 12 हजार मकान जल गए हैं। हॉलिवुड हिल्स पर कई स्टार्स के बंगले भी इस आग की चपेट में आ गए। आग ने अब तक 16 लोगों की जान ले ली है।

आग पर अब तक 11 प्रतिशत काबू पाया गया

मृतकों में से ग्यारह ईटन की आग से संबंधित थे और पांच पालिसैड्स क्षेत्र में आग से झुलसे थे। मंगलवार शाम को लगी इस घातक ईटन आग से अल्टाडेना और पासाडेना के पास 14,117 एकड़ क्षेत्र बरबाद हो गया हालांकि शनिवार दोपहर तक 15 प्रतिशत क्षेत्रों में लगी आग पर काबू पा लिया गया था। पैलिसेड्स फायर, लॉस एंजिल्स क्षेत्र में कम से कम पांच सक्रिय जंगल की आग में सबसे बड़ी है, जिसने 22,660 एकड़ (91.7 वर्ग किलोमीटर) को झुलसा दिया है और मंगलवार से 5,300 से अधिक मकानों को नष्ट कर दिया है। आग पर अब तक 11 प्रतिशत काबू पाया जा चुका है।

मंगलवार और बुधवार को आग फैलने की संभावना

सीएएल फायर ने बताया कि मध्यम से तेज गर्म और शुष्क सांता एना हवाएं मंगलवार और बुधवार को लौटने की संभावना है, जिससे आग और फ़ैल जाएगी। कैलिफ़ोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसोम ने शनिवार को कहा कि वह अग्निशमन में सहायता के लिए कैलिफ़ोर्निया नेशनल गार्ड की तैनाती को दोगुना कर रहे हैं, और लॉस एंजिल्स की आग से लड़ने के लिए सार्वजनिक सुरक्षा संसाधनों को तैनात किया गया है, इस क्षेत्र में अब 1,680 कैलिफ़ोर्निया नेशनल गार्डमैन सक्रिय हैं। जानकारी की मुताबिक हवाओं की वजह से पूर्व की ओर तेजी से बढ़ रही है। इतने प्रयास के बाद भी आग पर काबू पाना मुश्किल हो रहा है। अगर इशी तरह आग बढ़ती रही तो गेट्टी सेंटर आर्ट म्यूजियम और घनी आबादी वाला सैन फर्नांडो वैली भी चपेट में आ सकता है।

पानी की भी हो रही कमी

आग बुझाने के प्रयासों के बीच पानी को लेकर भी बहस होने लगी है। कैलिफोर्निया के गवर्नर ने कहा है कि इस बात की जांच होनी चाहिए की पानी की कमी की वजदह से कैसे लॉस एंजिलिस में हॉलिवुड सितारों के मकान और बंगले जलकर खाक हो गए। कई जगहों पर आग के बीच लूटपाट की खबरें भी सामने आई हैं। ऐसे में सेंट मोनिका में कर्फ्यू का ऐलान कर दिया गया है।

कांग्रेस को अच्छे से सुनना चाहिए: संजय राउत

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

चुनाव में करारी हार के कारण महाविकास अघाड़ी के नेता अपने सहयोगी दलों पर आरोप लगा रहे हैं। इसमें ठाकरे गुट के नेता सांसद संजय राउत ने आगामी चुनाव अपने दम पर लड़ने का फैसला किया है। कांग्रेस नेताओं और शरद पवार गुट के नेताओं ने भी इस पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। मीडिया से बातचीत करते हुए सांसद संजय राउत ने नेताओं को खरी-खोटी सुनाई है। संजय राउत के मनपा चुनाव अकेले लड़ने का ऐलान करने के बाद कांग्रेस नेता वर्षा गायकवाड़ ने इस बात का विरोध किया था और कहा कि संजय राउत को अपने वरिष्ठों से बात करके मुंबई से लेकर नागपुर तक नगर निगम चुनाव कैसे लड़ना है, इसका फैसला करना चाहिए था।

लोकसभा चुनाव अलग है और विधानसभा अलग

वर्षा गायकवाड़ को जवाब देते हुए संजय राउत ने कहा, 'उद्धव ठाकरे ने पार्टी के विभाग प्रमुखों और जिला प्रमुखों के साथ चर्चा की। इस चर्चा के दौरान कई लोगों ने अपने दम पर लड़ने की इच्छा जताई। हमने बोलकर यह दिखा दिया है। दूसरी बात यह है कि कांग्रेस नेताओं को हमारी बातों को ठीक से सुनना चाहिए। हमें भी सुनने की आदत डालनी चाहिए। दूसरों की बात सुनना बड़ी बात है। मैंने बस इतना कहा कि इंडिया गठबंधन का गठन लोकसभा के लिए और महाविकास अघाड़ी का गठन विधानसभा के लिए हुआ है। लेकिन स्थानीय निकाय चुनाव में कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने कार्यकर्ताओं को न्याय दिलाने के लिए खुद ही लड़ने की इच्छा जताई। ताकि स्थानीय स्तर पर पार्टी मजबूत हो। इस पर कांग्रेस की नाराजगी का जवाब देते हुए संजय राउत ने कहा, 'न तो शिवसेना (ठाकरे) पार्टी ने और न ही मैंने कहा है कि इंडिया गठबंधन या महाविकास अघाड़ी टूट गई है। हम स्थानीय स्वशासन संगठन के चुनाव को लेकर स्थिति पेश कर रहे हैं। इंडिया गठबंधन लोकसभा के लिए था, जबकि महाविकास अघाड़ी विधानसभा के लिए था। यह स्थानीय निकाय चुनाव के लिए गठबंधन नहीं था। जब हम भाजपा में थे, तब भी स्थानीय निकाय चुनाव अपने दम पर लड़ रहा था।'

वाल्मिक को रिहा करने पर राउत

बीड हत्याकांड पर संजय राउत ने कहा, 'इस राज्य के गृह मंत्री और मुख्यमंत्री कहते हैं कि वे किसी को नहीं छोड़ेंगे, लेकिन उन्होंने मुख्य आरोपी को छोड़ दिया और सभी को बंदी बना लिया है। यह भाजपा का शासन करने का तरीका है, मुख्य अपराधी को अपने पास रखना और अपने से नीचे के लोगों पर कार्रवाई करना।' संजय राउत ने अपनी राय व्यक्त करते हुए कहा कि 'बीड और परभणी में जो हुआ है वह बहुत खतरनाक है। हमें उम्मीद थी कि मुख्यमंत्री न्याय करेंगे क्योंकि वे न्याय और सत्य की बात करते हैं, लेकिन उन्होंने अपराधियों को बर्दाश्त किया है। वाल्मिक कराड भी उनकी पार्टी से हैं, उन्होंने ऐसे लोगों को बर्दाश्त किया है और छोटी मछलियों को काट दिया है।'

पतंग उड़ाने के लिए चीनी मांजा व धागा का उपयोग न करें

- मनपा ने किया आवाहन
- 450 दुकानदारों का लिया तलाशी

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

पतंग उड़ाने के लिए उपयोग किया जाने वाले प्लास्टिक व सिंथेटिक पदार्थ से तैयार किया गया चीनी मांजा या धागा मनुष्य के जान के लिए घातक है।इसलिए ठाणे मनपा ने ऐसे जानलेवा मांजे को मनपा क्षेत्र के अंतर्गत प्रतिबंधित किया है।मनपा के प्रभाग समितियों में 450 दुकानों में तलाशी ली गई, जिसमें चीनी मांजा नही मिला। लेकिन तलाशी के दौरान 290 किलो सिंगल यूज प्लास्टिक जब्त कर 13 लाख रुपये का जुर्माना वसूल किया गया। पतंग उड़ाने के लिए खतरनाक धातु,कांच आदि के मिश्रण से तैयार किया गए मांजे का उपयोग करने के लिए मनपा ने परमिशन नहीं दिया है, केवल सूती धागे का ही उपयोग करें।मनपा आयुक्त सौरभ राव के निर्देशानुसार सभी प्रभाग समिति के सहायक आयुक्त स्तर पर तलाशी व जब्ती शुरू कर दिया है। इसके लिए स्वच्छता निरीक्षक,स्वास्थ्य निरीक्षक, प्रदूषण नियंत्रण कर्मचारी का पथक तैयार किया गया है। मनपा में शिकायत के लिए 8657887101 टोल फ्री नंबर है।

खबर संक्षेप

तिलक नगर पुलिस ने कोडीन फॉस्फेट के अवैध कब्जे में दो व्यक्तियों को किया गिरफ्तार

कल्याण। कल्याण के कचोरेगांव क्षेत्र में तिलक नगर पुलिस ने प्रतिबंधित पदार्थ कोडीन फॉस्फेट के अवैध कब्जे और बिक्री के आरोप में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 192 बोतलें कोडीन फॉस्फेट युक्त खांसी की सिरप जब्त की हैं, जो कि तंत्रिका तंत्र पर नशे के प्रभाव डालने के कारण सरकार द्वारा प्रतिबंधित की गई है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान इरफान शेख और सोहेल शेख के रूप में हुई है। दोनों आरोपी कल्याण पूर्व के पत्रीपुल के निकट कचोरेगांव क्षेत्र के निवासी हैं। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच से यह स्पष्ट हुआ है कि दोनों आरोपी इस प्रतिबंधित पदार्थ को बेचने के इरादे से ले जा रहे थे। पुलिस उपायुक्त अतुल झेंडे ने बताया कि इस मामले में संबंधित एनडीपीएस अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि पुलिस की यह कार्रवाई क्षेत्र में अवैध नशीले पदार्थों के खिलाफ सख्त संदेश देने का कार्य करेगी और समाज में सुरक्षा और स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्धता को दर्शाती है। पुलिस ने क्षेत्रवासियों से अपील की है कि वे अवैध नशीले पदार्थों के खिलाफ जागरूक रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

प्रतिबंधित खांसी सिरप के रैकेट का पर्दाफाश, 192 बोतलों के साथ दो गिरफ्तार

ठाणे। ठाणे जिले में कोडीन फॉस्फेट के अवैध कब्जे और बिक्री के लिए पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इस बात की जानकारी एक अधिकारी ने रविवार कोदी। जिसके मुताबिक कोडीन फॉस्फेट युक्त खांसी के सिरप का नसों पर नशीला प्रभाव पड़ता है और फार्मेसियों में आसानी से उपलब्ध होने के कारण इनका व्यापक रूप से दुरुपयोग किया जाता है। यही वजह है कि सरकार ने कोडीन आधारित सिरप पर प्रतिबंध लगा दिया है। कल्याण के पुलिस उपायुक्त अतुल जेंडे ने बताया कि पुलिस ने शनिवार को कल्याण क्षेत्र के कचोरे गांव में दो लोगों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से कोडीन फॉस्फेट की 192 बोतलें जब्त की।

मानपाडा पुलिस की कार्रवाई: दो पेशेवर बाइक चोरों की गिरफ्तारी

सुशील सिंह । कल्याण

डोंबिवली में चोरी की घटनाओं में वृद्धि के मद्देनजर, मानपाडा पुलिस ने दो पेशेवर बाइक चोरों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पिछले कुछ महीनों से कल्याण, डोंबिवली और नवी मुंबई में मोटरसाइकिल चोरी की घटनाएं तेजी से बढ़ रही थीं, जिससे स्थानीय पुलिस प्रशासन सतर्क हो गया था। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार किए गए दोनों चोर 20 से 25 वर्ष की आयु के हैं और उन्होंने अब तक चार विभिन्न स्थानों से मोटरसाइकिल चोरी करने की बात स्वीकार की है। पुलिस ने इन दोनों से चोरी की गई चार मोटरसाइकिलें बरामद की हैं, जिनकी कुल कीमत लाखों में है। आरोपियों ने चोरी की मोटरसाइकिलों को स्थानीय क्षेत्र में या अन्यत्र कम कीमत पर बेचने का प्रयास किया था। पुलिस की जांच के दौरान, उल्हासनगर क्षेत्र में एक जाल बिछाया गया, जहां दोनों आरोपियों को एक मोटरसाइकिल के साथ पकड़ा गया। प्रारंभिक पूछताछ में उन्होंने मोटरसाइकिल चोरी के अपराधों को स्वीकार किया है। पुलिस ने उन्हें हिरासत में लेकर उनके पूर्व अपराधों की भी जांच शुरू कर दी है। पुलिस के रिकॉर्ड के अनुसार, ये दोनों पहले भी चोरी के लिए गिरफ्तार हो चुके हैं और उनके खिलाफ विभिन्न पुलिस थानों में मामले दर्ज हैं। इस मामले के चलते पुलिस ने उनके आपराधिक गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश शुरू कर दी है। जांच के दौरान यह भी पता चला कि ये चोर मुख्यतः व्यस्त क्षेत्रों, पार्किंग में या अकेली खड़ी मोटरसाइकिलों पर नजर रखते थे। वे गाड़ी के लॉक को तोड़कर या डुप्लिकेट चाबी का उपयोग करके गाड़ियों को चुराते थे। इस कार्रवाई के बाद स्थानीय नागरिकों में एक प्रकार की राहत मिली है। पुलिस की प्रभावी कार्रवाई के कारण नागरिकों में पुलिस के प्रति विश्वास और अधिक मजबूत हुआ है। चोरी हुई मोटरसाइकिलें वापस मिलने की उम्मीद रखने वाले नागरिकों ने पुलिस का आभार व्यक्त किया है।

मानपाडा पुलिस का आह्वान

मानपाडा पुलिस ने नागरिकों से सतर्क रहने और मोटरसाइकिलों को सुरक्षित स्थान पर पार्क करने की अपील की है। साथ ही, किसी भी संदिग्ध गतिविधि को देखने पर तुरंत पुलिस से संपर्क करने की सलाह दी गई है। आगे की जांच जारी है और इस मामले में और भी चौंकाने वाली जानकारी सामने आने की संभावना है।

महा विकास अघाड़ी (एमवीए) एकजुट है,वहां समीकरण अलग:अंबादास दानवे

डीबीडी संवाददाता । पुणे

शिवसेना (यूबीटी) की ओर से आगामी स्थानीय निकाय चुनाव अकेले लड़ने की घोषणा के बाद पार्टी नेता अंबादास दानवे ने कहा कि महा विकास अघाड़ी (एमवीए) एकजुट है, लेकिन स्थानीय निकाय चुनाव के समीकरण थोड़े अलग हैं। पुणे में पत्रकारों से बात करते हुए महाराष्ट्र विधान परिषद में विपक्ष के नेता दानवे ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ महायुति एमवीए को तोड़ने की पूरी कोशिश कर रही है। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी ने फैसला लिया है कि वो स्थानीय निकाय चुनाव अकेले ही लड़ेंगे। निकाय चुनाव को लेकर उठाए गए इस कदम से विपक्षी गुट की एकता पर लगातार सवाल उठ रहे हैं। वहीं शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कहा कि गठबंधन में संबंधित दलों के कार्यकर्ताओं के लिए मौकों की कमी है। साथ ही उन्होंने बताया है कि संगठनात्मक विकास के अधिकार भी एक वजह है, जिसके कारण अकेले चुनाव लड़ने का फैसला लिया गया है।

एमवीए एकजुट है

दानवे ने महाविकास अघाड़ी को लेकर अपना पक्ष साफ करते हुए कहा कि एमवीए एकजुट है। हालांकि, स्थानीय निकाय के चुनावों के समीकरण अलग हैं। सत्तारूढ़ दल हमारे गठबंधन को तोड़ने की इच्छा रखती है। लेकिन उनकी ऐसी कोई भी इच्छा पूरी नहीं हो सकेगी। पार्टी नेता आदित्य ठाकरे की मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि लोगों के मुद्दों पर चर्चा करने के लिए मुख्यमंत्री से मिलने में कुछ भी गलत नहीं है खासकर तब जब वो समस्याएं उनके लेवल पर हल हो जाएं।

संतोष देशमुख की हत्या के मामले पर क्या बोले?

दानवे ने बीड के मासजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या के मामले में एनसीपी नेता और राज्य मंत्री धनंजय मुंडे पर निशाना साधते हुए कहा कि मुंडे के नेतृत्व में बीड में अपराधियों को संरक्षण दिया जा रहा है। आपारधिक गतिविधियों में शामिल होने वाले ऐसे शख्स को संवैधानिक पद पर नहीं रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि 9 दिसंबर को देशमुख को किडनैप कर लिया गया था। उन्हें बुरी तरह से प्रताड़ित किया गया और उनकी हत्या कर दी गई।

चुनाव में जीत हार से कोई बड़ा छोटा नहीं होता हमारे कार्य से ही हमारी पहचान:नितिन गडकरी

डीबीडी संवाददाता । शिरडी

केंद्रीय परिवहन और सड़क मंत्री नितिन गडकरी ने रविवार को शिरडी में आयोजित भारतीय जनता पार्टी महाराष्ट्र प्रदेश महाधिवेशन को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में बीजेपी-महायुति की अभूतपूर्व सफलता के बाद, लोगों की उम्मीदों को पूरा करने की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीजेपी एक आत्मनिर्भर, मजबूत, समृद्ध भारत के सपने को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। बीजेपी के वरिष्ठ नेता नितिन गडकरी ने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि महाराष्ट्र में मिले जीत के बाद राज्य में सुराज्य लाना है। उन्होंने कहा कि सत्ता के ज़रिए समाज परिवर्तन करना है। चुनाव में जीत हार से कोई बड़ा छोटा नहीं होता हमारे कार्य से ही हमारी पहचान होती है। डॉक्टर बाबा साहेब अंबेडकर चुनाव हारें जो चुनाव जीते उनको कोई नहीं जानता। लेकिन बाबा साहेब की पहचान दुनिया भर में है।

'जनता की उम्मीदें पूरी करने की ज़िम्मेदारी अब हम पर हैं'

महाराष्ट्र बीजेपी प्रदेश महाधिवेशन में नितिन गडकरी के अलावा राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, महाराष्ट्र बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले, नवनियुक्त प्रदेश बीजेपी कार्यकारी अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण, पार्टी के राष्ट्रीय सह-संगठन महामंत्री शिव प्रकाश के साथ पार्टी के नेता और सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे। गडकरी ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में देश को दुनिया के तीसरे नंबर की अर्थव्यवस्था बनाना है । उन्होंने बीजेपी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, 'महाराष्ट्र की जनता ने अभूतपूर्व सफलता दी है वह शिवशाही (शिवाजी महाराज की तरह जनता की भलाई की सरकार) के लिए दिया है । जनता की उम्मीदें पूरी करने की ज़िम्मेदारी अब हम पर हैं। हमें देश की सीमाएं सुरक्षित करनी है, सामाजिक सद्भाव लाना है।' इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने पार्टी की सांसद कंगना रनौत की फिल्म इमर्जेंसी की भी बात की। बीजेपी नेता ने कहा कि वो बीते दिन नागपुर में कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी का शो देखा। यह बड़ी अच्छी फिल्म है। उन्होंने कहा कि इमरजेंसी के दौरान लोगों को क्या-क्या संघर्ष करना पड़ा था।

बीड, परभणी मामले को लेकर वाशिम में निकला विशाल मोर्चा, आरोपियों को फांसी देने की उठी मांग

डीबीडी संवाददाता । वाशिम

बीड मामले में पकड़ा गया मुख्य आरोपी वाल्मिक कराड को पुलिस ने रिहा कर दिया है। सरपंच हत्याकांड में 7 आरोपियों के खिलाफ मकोका लगाया गया है लेकिन वाल्मिक कराड को रिहा कर दिया गया। इस पर वाल्मिक कराड के खिलाफ भी मकोका लगाया जाने की मांग की जा रही है। बीड में संतोष देशमुख हत्याकांड में न्याय की मांग के लिए लगातार आम जनता प्रदर्शन कर रही है। इस बीच वाशिम में भी न्याय को लेकर सभी धर्म के लोगों ने साथ आकर मूक मोर्चा निकाला। बीड और परभणी मामले को लेकर वाशिम में सभी धर्मियों की ओर से एक भव्य मूक मोर्चा निकाला गया।

इस मूक मोर्चे में संतोष देशमुख के भाई और अन्य राजनीतिक नेता भी मौजूद थे। बीड जिले के मस्साजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख और परभणी के सोमनाथ सूर्यवंशी की हत्या के सभी आरोपियों को फांसी देने की मांग को सामने रखा गया। वाशिम में इस मोर्चे में सभी दलों, सभी धार्मिक संगठनों, धर्मार्थ संगठनों और संवेदनशील नागरिकों द्वारा एक विशाल मूक मोर्चा का आयोजन किया गया था। मोर्चे में संतोष देशमुख के भाई धनंजय देशमुख, वाशिम के सांसद संजय देशमुख और अन्य राजनीतिक नेता तथा सामाजिक कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे। यह विशाल मोर्चा छत्रपति शिवाजी महाराज चौक से शुरू हुआ और पाटनी चौक से होते हुए जिलाधिकारी कार्यालय तक गया।

धनंजय देशमुख ने मीडिया से की बात

इस अवसर पर सभी पार्टी के नेताओं द्वारा जिलाधिकारी को संतोष देशमुख के परिवार को न्याय दिलवाने की मांग की गई। धनंजय देशमुख ने मीडिया से बात करते हुए जानकारी दी कि बीड हत्याकांड के 7 आरोपियों पर मोक्का लगाया गया। लेकिन घटना का मुख्य सूत्रधार वाल्मिक कराड पर जब तक हत्या का मामला दर्ज नहीं होता और कराड सहित सभी आरोपियों को फांसी की सजा नहीं दी जाती तब तक हम न्याय मांगते रहेंगे। बीड जिले के मासजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख की 9 दिसंबर को उस समय हत्या कर दी गई थी, जब उन्होंने कथित तौर पर क्षेत्र में पवन चक्कियां लगाने वाली एक ऊर्जा कंपनी को निशाना बनाकर जबरन वसूली के प्रयास का विरोध किया था।

पालघर पुलिस यातायात शाखा ने शुरु किया 36वां सड़क सुरक्षा अभियान-2025

डीबीडी संवाददाता । पालघर

मोटर वाहन दुर्घटनाओं पर प्रभावी तरीके से रोकथाम और आम लोगों के बीच यातायात नियमों के सही अनुपालन के लिए समूचे देश में केंद्र सरकार के निर्देशानुसार 'सड़क सुरक्षा अभियान' के तहद इस वर्ष भी 01जनवरी से 31जनवरी की अवधि तक आयोजित होने वाले '36वें सड़क सुरक्षा अभियान-2025' की शुरूआत पालघर पुलिस की यातायात शाखा द्वारा पुरी मुस्तैदी से मिशन के रुप में समूचे जिले में विभिन्न कार्यक्रमों के जरिये जनजागरुकता को शुरू कर दिया गया है। '36वें सड़क सुरक्षा अभियान' के शुभारंभ के मौके पर पुलिस अधिक्षक बालासाहेब पाटील ने जिले के नागरिकों से यातायात

नियमों के सही मायने में पालन कराने में लगे यातायात शाखा के मुहिम से जुड़कर जोखिम और लापरवाही से बचने के लिए लोगों को सचेत करने का अपील किया है। पालघर पुलिस की यातायात शाखा द्वारा सड़क सुरक्षा अभियान में यातायात नियमों की जागरूकता के लिए महत्वपूर्ण स्थानों,चौराहों पर बिना लायसेंस के वाहन नही चलाने,हेल्मेट लगाने,ट्रीपल सीट,वाहन चलाते समय मोबाइल के उपयोग से बचने,वाहन की तेज आवाज पर रोक,विपरीत दिशा में वाहन चलाने,सिगनल तोड़ने से बचने,तेज रफ्तार,मदपान से बचने, सीट बेल्ट के प्रयोग करने,एंबुलेंस को फौरन जगह देने,घायलों को अस्पताल में पहुचाने में मदद,हाईवे पर चलने वाले वाहनों व बैलगाड़ियों पर रिफ्लेक्टर लगाने और यातायात नियमों के उल्लंघन को लेकर बैनर,पोस्टर लगाकर नागरिकों को मार्गदर्शित किया जा रहा है। पालघर पुलिस यातायात शाखा के प्रभारी सुरेश सालुंखे के नेतृत्व में यातायात पुलिस स्कूलों में छात्रों को यातायात नियमों की ज्ञानवर्धक जानकारियां,जगह-जगह प्रमुख अस्पतालों,एंबुलेंस, क्रेन तथा स्थानीय पुलिस थानों के टेलीफोन नंबर चस्पा करते हुए पैदल रैलियों के आयोजन के जरिये बिना हेल्मेट वाहन चालकों को भविष्य के सुरक्षा के लिए गुलाब का पुष्प भी भेंट कर रही है। पालघर यातायात पुलिस द्वारा पहले फेज में पालघर और बोईसर डिवीजन में यातायात शाखा ने सभी प्रमुख चौराहों आटो रिक्शा, डमडम,ईको आदि वाहन चालकों के साथ बैठक करके सड़क सुरक्षा के लिए मार्गदर्शन दे रही है।

अब्दुल अज़ीज़ अंसारी सर 'अनवारे तदरीस अवार्ड' से सम्मानित

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

उर्दू चैनल और मुंबई विश्वविद्यालय के उर्दू विभाग द्वारा उर्दू महोत्सव का आयोजन कालीना कैंपस के मराठी भाषा भवन हाल में किया गया। इस अवसर पर जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित करने के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।हर्ष का विषय है कि इस कार्यक्रम में, रईस हाई स्कूल एंड जूनियर कालेज भिवंडी के पूर्व

उप-प्रधानाचार्य और रईस कैंपस में स्थित वाईसीएमओयू अध्ययन केंद्र के कोआर्डिनेटर अब्दुल अज़ीज़ अंसारी को उनकी शैक्षणिक, सामाजिक एवं प्रशासनिक सेवाओं के लिए 'अनवारे तदरीस अवार्ड' से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार एडवोकेट सैयद जलालुद्दीन,डॉ. कमर सिद्दीकी और डॉ.अब्दुल्ला इम्तियाज द्वारा प्रदान किया गया। इस सम्मान एवं पुरस्कार पर हर्ष व्यक्त करते हुए केएमई सोसायटी प्रबंध समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों,रईस हाई स्कूल एंड जूनियर कालेज के चेयरमैन यासर तातली,प्रधानाचार्य जियाउर रहमान अंसारी, उपप्रधानाचार्य आमिर सिद्दीकी,सहायक मुख्याध्यापक मुखलिस मदू,सुपरवाइजर्स असरार पठान,सिब्तैन कशेलकर एवं समस्त स्टाफ ने अब्दुल अज़ीज़ अंसारी सर को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

एडवोकेट हरेश इदनानी को प्रकाश डांगले जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए

ठाणे मनपा शिक्षण विभाग ने किया सांस्कृतिक महोत्सव का आयोजन

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

अभिनेता व निर्माता मंगेश देसाई ने कहा कि मनपा स्कूल के विद्यार्थियों के कला महान प्रतिभा है। इनको बाल रंगकर्मी कला से प्रशिक्षित कर राज्य में इनका 25 कार्यक्रम करवाना चाहिए। मनपा स्कूलों का केंद्रीय सांस्कृतिक कार्यक्रम काशीनाथ घाणेकर नाट्यगृह में किया गया। इसमें पहली से पांचवी के कुल 24,छठवीं से आठवीं के कुल 61 स्कूलों ने भाग लिया। जबकी नाट्य विभाग के 19 सेक्शन के 104 स्कूलों ने भाग लिया। अभिनेता मंगेश देसाई व उपायुक्त सचिन सांगले के हाथों से मेधावी छात्रों को पारितोषिक वितरण किया गया।विद्यार्थियों

ने 13 नृत्य 2 नाटक सहित 15 कार्यक्रम प्रस्तुत किए।इस अवसर पर समूह पदाधिकारी संगीता बामणे, प्राथमिक शिक्षक संघ पदाधिकारी बाबाजी फ़ापाले, जिला प्राथमिक शिक्षक सहकारी पटपेढ़ी ठाणे व पालघर निदेशक जगन्नाथ जाधव आदि उपस्थित थे।कार्यक्रम का समापन टीम लीडर प्रेरणा कदम के राष्ट्रगान करके हुआ। इस कार्यक्रम का संचालन सुरेश पाटिल, नूतन बांदेकर, संयुक्त सचिव नीलिमा पाटिल ने किया।

जिजाऊ मां साहेब और स्वामी विवेकानंद की जयंती मनाई गई

डीबीडी संवाददाता । कल्याण

जिजाऊ मां साहेब और स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर मनपा मुख्यालय में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के उपायुक्त संजय जाधव के शुभ हाथों से उनके फोटो पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर उपस्थित सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी माधवी पोफले, उप अभियंता श्याम सोनवणे और अन्य कर्मचारियों ने भी उनके फोटो पर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद कल्याण (पश्चिम) के परनाका स्थित स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर उपायुक्त संजय जाधव, सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी माधवी पोफले ने पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर सौरभ कुलकर्णी, शंभू पंडित, सारंग केलकर, प्रवीण शहाणे, मिलिंद रेडे, संदीप पलनीटकर और अन्य नागरिक उपस्थित थे।

अवैध गिरफ्तारियों को लेकर जांच एजेंसियों की हो रही किरकिरी !

मुंबई। हाल ही में अदालतों ने 'अवैध गिरफ्तारी ' का हवाला देते हुए आरोपियों को रिहा करने के निर्देश दिए हैं, जिससे जांच एजेंसियों को झटका लगा है और उन्हें शर्मिंदगी उठानी पड़ी है। एक तरफ अभियोजन पक्ष के वकीलों ने संतुलित दृष्टिकोण अपनाने का अनुरोध किया है तो दूसरी तरफ बचाव पक्ष के वकील मानदंडों का पालन करने पर जोर दे रहे हैं।
एक केस में बचाव पक्ष के वकील ने दावा किया कि इनमें से अधिकांश मामलों में गिरफ्तारियां बिना सोचे-समझे की गईं, जबकि अभियोजन पक्ष के वकीलों ने पीड़ितों के अधिकारों पर ध्यान देने की बात कही है। दिसंबर 2024 में, सीबीआई ने रिश्वतखोरी के एक मामले में आईआरएस के 2 अधिकारियों समेत 6 लोगों को गिरफ्तार किया, लेकिन यहां की एक विशेष अदालत ने गिरफ्तारी को 'अवैध ' पाते हुए सीबीआई को आरोपियों की हिरासत देने से इनकार कर दिया और तत्काल रिहाई का आदेश दिया।

केस डायरी का उचित रखरखाव नहीं

पिछले 6 महीनों में, यहां की अदालतों में सीबीआई, ईडी और स्थानीय पुलिस जैसी जांच एजेंसियों की कई हिरासत याचिकाओं का ऐसा ही हाल हुआ। अधिकांश मामलों में बचाव पक्ष की दलील थी कि जांच एजेंसियां केस डायरी का उचित रखरखाव न करने, आरोपी की तुरंत गिरफ्तारी का आधार न बताने या गिरफ्तारी के 24 घंटे के अंदर उसे अदालत में पेश न करने जैसे भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के प्रावधानों का पालन नहीं कर रहीं। कुछ आरोपियों की ओर से पेश हुए वकील राहुल अग्रवाल ने दावा किया, जांच एजेंसियां कानून में निर्धारित प्रावधानों और उच्चतम न्यायालय व उच्च न्यायालयों द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन नहीं कर रहीं। उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय के दिशा-निर्देशों में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए भौतिक आधार या कारण दिया जाना चाहिए।

अवैध गिरफ्तारी एक गंभीर चूक

अदालत ने गिरफ्तारी को अवैध करार देते हुए इसे गंभीर चूक माना। पिछले साल ईडी को भी इसी तरह शर्मिंदगी उठानी पड़ी थी, जब एक विशेष पीएमएलए अदालत ने धनशोधन मामले में आरोपी व्यवसायी पुरुषोत्तम मंधाना को रिहा कर दिया था। अदालत ने कहा कि गिरफ्तारी का आधार और यह मानने के कारण नहीं बताने की वजह से आरोपी को बरी किया गया है कि वह अपराध का दोषी है। वरिष्ठ अधिवक्ता सतीश मानेशिंदे ने कहा कि इनमें से अधिकांश मामलों में गिरफ्तारियां उचित कारण के बिना की गईं। उन्होंने कहा, "पुलिस अधिकारियों को पर्याप्त जानकारी नहीं है या वे अपना ध्यान नहीं लगाते।" हालांकि, राज्य का प्रतिनिधित्व करने वाले वकीलों की राय है कि पीड़ितों के अधिकार भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं।

कानून के प्रावधानों का सरासर उल्लंघन

आईआरएस अधिकारियों के खिलाफ रिश्वतखोरी के मामले में विशेष सीबीआई अदालत ने पाया कि केस डायरी में खामियां थीं, बंबई उच्च न्यायालय के एक फैसले के अनुसार यह कानून के प्रावधानों का सरासर उल्लंघन है। अदालत ने कहा कि जांच अधिकारी के लिए यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि मामले के सभी कागजात उचित तरीके से रखे जाएं। सीबीआई को एक और झटका देते हुए अदालत ने रिश्वतखोरी के एक मामले में गिरफ्तार ईडी अधिकारी विशाल दीप की ट्रांजिट रिमांड देने से इनकार कर दिया और कहा कि अभियोजन पक्ष द्वारा केस डायरी पेश न करना उसके मामले में एक गलती है।

जांच एजेंसियों की गलती पीड़ित क्यों भुगते

उन्होंने सवाल किया कि अगर जांच एजेंसियों ने गलती की है तो पीड़ित क्यों भुगते। बता दें कि वरिष्ठ विशेष अभियोजक उज्ज्वल निकम ने 1993 के मुंबई बम विस्फोट मामले समेत विभिन्न चर्चित मामलों में राज्य का प्रतिनिधित्व किया है। निकम ने संतुलित दृष्टिकोण अपनाने की अपील की और कहा कि जांच एजेंसियों को भी आरोपियों से हिरासत में पूछताछ का अवसर मिलना चाहिए।
निकम ने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि गिरफ्तारी के आधारों के बारे में आरोपियों और उनके परिवार को भी सूचित किया जाना चाहिए, ताकि आरोपियों की व्यक्तिगत स्वतंत्रता को खतरा न हो। विशेष लोक अभियोजक शिशिर हिरे ने पीड़ितों के अधिकारों का समर्थन किया। उन्होंने कहा अगर कोई आरोपी फरार है, तो उसे पता है कि पुलिस उसके पीछे पड़ी है और उसे अपनी गिरफ्तारी का कारण भी पता होता है, इसलिए आप फरार आरोपी पर ये सामान्य मापदंड लागू नहीं कर सकते।

कुर्ला के होटल में लगी भीषण आग

मुंबई। मुंबई के कुर्ला पश्चिम इलाके में एक होटल में आग लग गई। इस घटना में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। एलबीएस मार्ग स्थित होटल रंगून जयका में रात करीब सवा नौ बजे आग लग गई। आग बुझाने के लिए पांच दमकल गाड़ियां और पानी के टैंकर घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। एक अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि यह कम तीव्रता वाली आग थी। अभी तक किसी के हताहत होने या घायल होने की कोई खबर नहीं है। आग पर काबू पाने के लिए नगर निगम के अधिकारी, पुलिस और बिजली बोर्ड के कर्मचारी घटनास्थल पर मौजूद हैं। ऐसा लगता है कि मुंबई में आग का मौसम जारी है। मुंबई के कुर्ला स्थित रंगुन जैका होटल में भीषण आग लग गई है। आग लगने के बाद होटल इलाके में भगदड़ मच गई। लोगों में डर का माहौल है। आग की सूचना मिलने पर दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची और तुरंत आग पर काबू पाने के प्रयास शुरू कर दिए गए। कुर्ला पश्चिम में लाल बहादुर शास्त्री मार्ग पर कल्पना टॉकीज के सामने स्थित रंगून जैका होटल में शनिवार सुबह करीब 9:15 बजे आग लग गई। कुछ ही देर में आग भड़क उठी। इस बात का खतरा है कि आग तेजी से फैल जाएगी क्योंकि एलबीएस रोड पर दुकानें और होटल एक दूसरे से सटे हुए हैं। नगर निगम कार्यालय की एक टीम, एक फायर ब्रिगेड की टीम, चार दमकल गाड़ियां, तीन पानी के टैंकर, पुलिस और बिजली वितरण कंपनी की एक टीम घटनास्थल पर मौजूद है।

'महाराष्ट्र में अब हो रहा वोट जिहाद पार्ट-2': सीएम फडणवीस

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस ने अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों पर बड़ा बयान दिया है। शिरडी में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश स्तरीय बैठक के दौरान उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में वोट जिहाद पार्ट 2 शुरू हो गया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक है तो सेफ है के नारे को दोहराते हुए कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर समाज में दरार पैदा करने वाली ताकतों के खिलाफ खड़े होने के लिए कहा।
फडणवीस ने कहा कि हाल ही में बड़ी संख्या में बांग्लादेशी घुसपैठियों के फर्जी दस्तावेज बनाकर महाराष्ट्र में घुसपैठ करने की घटनाएं सामने आई हैं। उन्होंने इसे राज्य के लिए एक बड़ी चुनौती बताया और घुसपैठियों को बाहर निकालने की दिशा में ठोस कदम उठाने का संकल्प व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन घुसपैठियों के माध्यम से असामाजिक ताकतें राज्य में जातिगत विद्वेष फैलाने का प्रयास कर रही हैं, जिसे किसी भी कीमत पर सफल नहीं होने दिया जाएगा।

वोट जिहाद पार्ट 2 पर साधा निशाना

फडणवीस ने दावा किया कि महाविकास अघाड़ी के समर्थन से वोट जिहाद पार्ट 2 शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और शरद पवार की पार्टी के साथ मिलकर असामाजिक ताकतें राज्य में अवैध बांग्लादेशियों के जरिए मतदाता सूची में घुसपैठ करवा रही हैं। मुख्यमंत्री ने इसे लोकतंत्र और राज्य की सुरक्षा के लिए खतरनाक बताते हुए कार्यकर्ताओं को सतर्क रहने की सलाह दी।

बीजेपी की ऐतिहासिक जीत का जिक्र

मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र में बीजेपी ने ऐतिहासिक जीत हासिल की है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व का परिणाम है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनावों के बाद पार्टी ने महाराष्ट्र में जनाधार को और मजबूत किया और 288 में से 237 सीटें जीतकर नया रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से जनसेवा को प्राथमिकता देने और लोगों के विश्वास को बनाए रखने की अपील की। इसके साथ ही उन्होंने लाडकी बहिन योजना के बंद होने की अफवाहों पर भी विराम लगाया। फडणवीस ने कहा, 'ऐसी अफवाहें हैं कि हम लाडकी बहिन योजना और अन्य कल्याणकारी योजनाओं को बंद कर देंगे। मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि महिलाओं, दलितों और हाशिए पर पड़े लोगों के लाभ के लिए लागू की गई प्रत्येक योजना जारी रहेगी। मौजूदा योजनाओं के अलावा, हम अपने घोषणापत्र में किए गए सभी वादों को भी पूरा करेंगे।'

'माई मुंबई' के कैनवास को छात्रों की कल्पना के रंगों से रंगा गया

मुंबई के 48 पार्कों और मैदानों में आयोजित की गई प्रतियोगिता

आयुक्त ने भाग लेकर छात्रों का उत्साह बढ़ाया

मुंबई। इस वर्ष 'माई मुंबई' की अवधारणा को इस प्रतियोगिता के लिए चुना गया था, जो 12 जनवरी, 2025 को सुबह 8 बजे से 11 बजे तक मुंबई महानगर क्षेत्र के 48 पार्कों और मैदानों में एक साथ आयोजित की गई। आयुक्त और प्रशासक भूषण गगरानी ने भायखला में वीरमाता जीजाबाई भोसले वनस्पति उद्यान और चिड़ियाघर का दौरा किया और प्रतियोगिता में भाग लेने वाले छात्रों से बातचीत की और उन्हें शुभकामनाएं दीं। साथ ही छात्रों का उत्साह बढ़ाने के लिए गगरानी और श्रीमती गगरानी ने भी हाथ में कूंची लिया और चित्र में रंग भरे।
साथ ही ग्रांट रोड (पश्चिम) स्थित अगस्त क्रांति मैदान में अतिरिक्त आयुक्त (पूर्व उपनगर) डॉ. अमित सैनी, उपायुक्त (शिक्षा) डॉ. प्राची जांभेकर ने दौरा किया और छात्रों से बातचीत की। शिक्षा अधिकारी (प्राथमिक) राजेश कंकाल, प्राणिसंग्रहालय के निदेशक डॉ. संजय त्रिपाठी, शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) सुजाता खरे, कला विभाग के प्राचार्य दिनकर पवार आदि, सह कला निदेशक, केंद्र प्रमुख शिक्षा विभाग के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे। शिक्षा के साथ-साथ बृहन्मुंबई महानगरपालिका छात्रों में मुंबई महानगर के प्रति आत्मीयता बढ़ाने और इस महानगर के प्रति प्रेम जगाने के लिए विभिन्न गतिविधियों को लागू करती है। इसी के अनुरूप शिक्षा विभाग भी हर साल 'विश्वविख्यात कार्टूनिस्ट हिंदू हृदय सम्राट शिवसेना प्रमुख श्रीमान बालासाहेब ठाकरे बाल चित्रकारी प्रतियोगिता का आयोजन माननीय महापौर द्वारा किया जाता है। इस साल इस प्रतियोगिता का 16वां साल है। सुबह से ही बच्चे पेंसिल, कागज, रंग, मार्कर, रबड़ आदि ड्राइंग की सामग्री लेकर मुंबई के पार्कों और मैदानों में व्यस्त थे।
उन्हें छोड़ने आए अभिभावकों की भी बड़ी भीड़ जमा थी। सुबह 8 बजे बच्चों को चित्र बनाने के लिए विषय दिए गए। तब से लेकर सुबह 11 बजे तक छात्र चित्र बनाने में व्यस्त रहे। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने बहुत ही सुन्दर चित्र बनाए।

तितलियों से लेकर जल संरक्षण तक, रंगों से भरी अवधारणा

इस वर्ष की चित्रकला प्रतियोगिता के लिए 'माई मुंबई' अवधारणा को चुना गया था। बृहन्मुंबई महानगरपालिका विद्यालयों, नगर निगम क्षेत्र के निजी सहायता प्राप्त और गैर-सहायता प्राप्त विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए 4 समूह बनाए गए थे। पहली और दूसरी कक्षा के समूहों के लिए विषय थे 'मैं और तितली', 'मैं अपनी दादी की गोद में', 'मैं और मेरा दोस्त', तीसरी से पांचवी कक्षा के समूहों के लिए 'हम पतंग उड़ाते हैं', 'हम पढ़ते हैं', 'हम रानी के बगीचे में हैं', छठी से आठवीं कक्षा के समूहों के लिए 'हमारे विद्यालय का पिछवाड़ा', 'हम चौपाटी पर रेत का महल बनाते हैं', 'हम गणपति जुलूस में नाचते हैं', जबकि नौवीं से दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए 'महानगर मुंबई', 'महिला सशक्तिकरण, जल संरक्षण' दिए गए थे। विद्यार्थियों ने उपरोक्त विषयों को चित्रित किया।इस प्रतियोगिता में प्रत्येक समूह को तीन विषय दिए गए थे। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को 1000 रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। 25,000 रुपये, एक पदक और एक प्रमाण पत्र। दूसरे स्थान पर आने वाले छात्र को 20,000 रुपये, एक पदक और एक प्रमाण पत्र दिया जाएगा, और तीसरे स्थान पर आने वाले छात्र को 15,000 रुपये, एक पदक और एक प्रमाण पत्र दिया जाएगा। प्रोत्साहन के तौर पर 10 छात्रों को 5,000 रुपये का पुरस्कार, एक पदक और प्रशंसा पत्र दिया जाएगा।

उपमुख्यमंत्री अजित पवार के जाली हस्ताक्षर कर ठगी करने वाला गिरफ्तार

मुंबई। उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के जाली हस्ताक्षर कर लोगों से ठगी करने वाले शख्स को मालाबार पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपित के पास से अजित पवार के फर्जी लेटरहेड बरामद किया है। इस मामले की गहन छानबीन जारी है।
पुलिस के अनुसार मालाबार पुलिस स्टेशन में पुणे के अतुल शितोले ने अजीत पवार का फर्जी लेटरहेड का प्रयोग कर ठगी किए जाने की शिकायत दर्ज करवाई थी। इसी मामले की छानबीन करते हुए पुलिस ने सातारा के रहने वाले 42 वर्षीय इस्माइल को गिरफ्तार किया है। अब तक की जांच में पता चला है कि इस्माइल खुद को प्रवीण साठे बताते हुए उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के देवगिरी बंगले में विशेष कार्य अधिकारी होने का दावा करता था।

महाकुंभ जा रही ट्रेन पर जलगांव के पास पथराव, शीशे टूटे

जलगांव। सूरत से प्रयागराज जा रही ट्रेन पर पथराव हुआ है। इस ट्रेन में ज्यादातर यात्री महाकुंभ में स्नान करने के लिए जा रहे थे। ट्रेन सूरत से निकलकर जब महाराष्ट्र के जलगांव से गुजर रही थी उसी वक्त ट्रेन के शीशों पर पत्थर फेंके गए। पथराव में एसी कोच का शीशा टूट गया जिसकी वजह से ट्रेन में कांच बिखर गया। कोच में सवार यात्रियों ने वीडियो बनाकर इस पूरी घटना की जानकारी दी है। वहीं रेलवे से पूरे मामले की शिकायत भी की है।
जानकारी के मुताबिक यह घटना रविवार को दोपहर करीब 3 बजकर 20 मिनट की है। जब डीएससीआर/बीएसएल को यह मैसेज मिला था कि ट्रेन नंबर 19045 ताप्तीगंगा एक्सप्रेस के कोच नंबर बी-6 के बर्थ नंबर 33-39 के पास बने शीशे पर पत्थर फेंका गया।

जिसकी वजह से खिड़की पर लगा शीशा टूट गया। इस संबंध में ड्यूटी पर तैनात डिप्टी। सीटीआई/एसटी सोहनलाल ने बताया कि जैसे ही ताप्तीगंगा एक्सप्रेस जलगांव स्टेशन से रवाना हुई तो आउटर पर किसी ने खिड़की पर पत्थर मार दिया।
सोहनलाल ने बताया कि 20-22 साल के लड़के ने शीशे पर पत्थर मारा था जिसकी वजह से खिड़की का कांच टूट गया। उन्होंने यह भी जानकारी दी है कि इस घटना में किसी भी यात्री के हताहत होने की सूचना फिलहाल नहीं है। इस मामले में भुसावल स्टेशन पर उप निरीक्षक एनके सिंह ट्रेन को अटेंड किया और डिप्टी सीटीआई का बयान दर्ज किया। इस संबंध में मेमो जारी किया गया है। जहां पर पथराव किया गया उस जगह का निरीक्षक जलगांव और उप निरीक्षक मनोज सोनी ने अटेंड किया।

नहीं मिली कोई जानकारी

मौके पर पहुंचे निरीक्षक जलगांव और अन्य अधिकारियों की किसी तरह की कोई जानकारी नहीं मिली है। शख्स पत्थरबाजी को अंजाम देने के बाद वहां से फरार हो गया होगा। इस मामले में शाम करीब 5 बजे रेलवे अधिकारियों ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ आरपीएफ थाना जलगांव में मामला दर्ज कराया है। इसकी जांच फिलहाल उप निरीक्षक मनोज सोनी को सौंपी गई है।

महाकुंभ में जा रहे ज्यादातर यात्री

इस ट्रेन में मौजूद ज्यादातर यात्री प्रयागराज में महाकुंभ में स्नान करने के लिए जा रहे हैं। पथराव से डरे हुए यात्रियों ने टूटे हुए शीशे के साथ वीडियोज बनाए हैं और पूरी घटना की जानकारी दी है। इतना ही नहीं यात्रियों ने रेल अधिकारियों को भी इस बात की सूचना दी है। फिलहाल पूरे मामले की आरपीएफ के द्वारा जांच की जा रही है।

एटीएम तोड़कर पच्चीस लाख की चोरी

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

पालघर जिले के बोईसर इलाकेयशवंत सृष्टि क्षेत्र में स्थित एसबीआई के एटीएम को रविवार सुबह करीब साढ़े तीन बजे तोड़कर अज्ञात चोरों ने करीब 25 लाख की चोरी की घटना को अंजाम दिया। और इसके बाद एटीएम को जला दिया। चोरी की घटना को अंजाम देने के पहले शातिर चोरों ने एटीएम और आस-पास में लगे सीसीटीवी कैमरों पर ब्लैक स्प्रे डाला और इसके बाद चोरी की वारदात को अंजाम दिया। ताकि कोई सुराग न मिल सके और उनकी पहचान न हो। इसके बाद पुलिस और स्थानीय अपराध शाखा की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की। घटना की जानकारी फैलते ही हड़कंप मच गया।

पुस्तकालयों के सशक्तिकरण हेतू निधि दी जाएगी: उद्योग मंत्री सामंत

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मराठी में श्रेष्ठ पुस्तकें प्रकाशित करने के लिए प्रकाशकों को राज्य सरकार संरक्षण मिलना चाहिए। पुस्तकों के प्रसार के लिए पुस्तकालयों को सशक्त बनाने की भी आवश्यकता है। निजी व्यवसायों द्वारा उपलब्ध कराए गए सीएसआर फंड का उपयोग पुस्तकालयों के संरक्षण के लिए किया जाना चाहिए। राज्य के उद्योग और मराठी भाषा मंत्री उदय सामंत ने कहा, हम इस दिशा में काम कर रहे हैं,उन्होंने बताया कि राज्य में पुस्तकालयों के सशक्तिकरण हेतू निधि दी जाएगी।इस मौके पर साहित्यकार एवं राज्य साहित्य संस्कृति बोर्ड के उपाध्यक्ष प्रो. डॉ प्रदीप धवल द्वारा लिखित जीवनी उपन्यास 'संन्यास ज्वालामुखी' का विमोचन आज रविवार को मंत्री उदय सामंत की

उपस्थिति में हुआ।
कोंकण मराठी साहित्य परिषद, शारदा एजुकेशन सोसायटी और शारदा प्रकाशन के सहयोग से रविवार को ठाणे से डॉ. काशीनाथ घाणेकर रंगमंच पर प्रो. डॉ प्रदीप धवल द्वारा लिखित स्वामी विवेकानंद पर आधारित उपन्यास 'संन्यस्त ज्वालामुखी' का विमोचन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर मंत्री उदय सामंत, परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक, राज्य साहित्य एवं संस्कृति बोर्ड के अध्यक्ष . डॉ. सदानंद मोरे, विश्वकोश निर्माण बोर्ड के अध्यक्ष, रवींद्र शोभने, वरिष्ठ नाटककार अशोक समेल, लेखक-कवि प्रो. अशोक बागवे, प्रो. प्रवीण दवणे, किशोर कदम (सौमित्र), कोंकण मराठी साहित्य परिषद की अध्यक्ष नमिता कीर, तथा शारदा एजुकेशन सोसायटी के अध्यक्ष विलास थुसे, उपस्थित थे। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए मंत्री उदय सामंत ने कहा कि अब समय आ गया है कि हम ट्रक के पीछे 'पढ़ोगे तो पढ़ोगे' का संदेश लिखें। यदि इस स्थिति को सुधारना है तो हर जिले में अच्छे लेखक और वक्ता तैयार करने होंगे। स्वामी विवेकानंद, जिन्होंने दृढ़तापूर्वक दुनिया को बताया कि हिंदू धर्म क्या है, के विचार आज की पीढ़ी तक पहुंचाए जाने चाहिए। इस अवसर पर मंत्री उदय सामंत ने अपनी भावना व्यक्त करते हुए कहा कि उपन्यास 'संन्यस्त ज्वालामुखी' राज्य के सभी पुस्तकालयों तक पहुंचना चाहिए।

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

संपादकीय

व्यवस्था की संवेदनहीनता का परिचायक तिरुपति हादसा

आंध्रप्रदेश के विख्यात तिरुपति मंदिर में बुधवार रात मची भगदड़ में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हुए हैं। भगदड़ का कारण वैकुंठ द्वार के दर्शन के लिए टोकन लेने की लंबी कतार थी, जिसमें कई घंटों के इंतजार के बाद श्रद्धालुओं के सब्र का बांध टूटा और हालात बेकाबू हो गए। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम के मुताबिक 10 से 19 जनवरी तक वैकुंठ एकादशी पर वैकुंठ द्वार दर्शन के लिए खोले जाएंगे। इन 10 दिनों में करीब 7 लाख भक्तों के आने की संभावना है। दर्शन के लिए टोकन 9 जनवरी की सुबह 5 बजे से दिए जाने थे। लेकिन बुधवार 8 जनवरी की सुबह से ही टोकन पाने के लिए भक्तों की भीड़ जुटना शुरू हो गयी। टोकन वितरण के लिए कुल 9 केंद्रों में 54 काउन्टर बनाए गए थे। हरेक केंद्र पर भारी भीड़ इकठ्ठा हो रही थी। एक केंद्र में श्रद्धालुओं की कतार तितर बितर हुई तो अतिरिक्त पुलिस बल बुलाकर वहां स्थिति को काबू किया गया। ज्यादा भीड़ को देखते हुए पुलिस ने काउंटर खोले जाने तक लोगों को पास में बने एक पार्क में बैठने को कहा। कुछ ही देर में वो पार्क खचाखच भर गया। पुलिस ने पार्क का गेट बंद कर दिया। शाम 7 बजे के करीब पार्क में दम घुटने के चलते एक महिला बेसुध हो गई। इस महिला के इलाज के लिए उसे पार्क से बाहर निकालने का फैसला किया गया और एक पुलिस अधिकारी के कहने पर पार्क का गेट खोला गया, वहां मौजूद हजारों लोगों को लगा कि टोकन की कतार में भेजने के लिए पार्क का गेट खोला गया है और एक साथ सैकड़ों लोग पार्क के गेट से बाहर निकलने की जद्दोजहद करने लगे इसी दौरान वहां भगदड़ मच गई। जो कई लोगों की मौत का कारण बन गई। तिरुपति में हर वर्ष वैकुंठ एकादशी के अवसर पर ऐसी ही स्थिति होती है। लेकिन इस साल यह एक अनचाही आपदा में बदल गई। ऐसा नहीं है कि किसी धार्मिक स्थल पर भगदड़ की यह पहली घटना है। हिंदुस्तान हर वर्ष ऐसी कई अप्रिय घटनाओं का साक्षी बनता है। अभी पिछले महीने मथुरा में एक कथा आयोजन में भगदड़ हुई थी। इससे पहले जुलाई में हाथरस में नारायण हरि के सत्संग कार्यक्रम में भयंकर भगदड़ हुई थी, जिसमें कम से कम 120 लोगों की मौत हो गई थी। अगस्त में जहानाबाद के बाबा सिद्धनाथ मंदिर में मची भगदड़ में 7 लोगों की जान चली गई थी। तीन साल पहले जनवरी 2022 में वैष्णो देवी मंदिर में भारी भीड़ के कारण भगदड़ मची और 12 लोगों की मौत हो गई थी। जुलाई 2015 में आंध्रप्रदेश के राजमुंदरी में गोदावरी स्नान के दौरान मची भगदड़ में 27 तीर्थयात्रियों की जान चली गई थी। ऐसी घटनाओं की लंबी फेहरिस्त है। इन घटनाओं में समय, तारीख, स्थान बदले हैं, लेकिन एक बात जो नहीं बदलती कि इन घटनाओं के असल दोषियों को कभी सजा नहीं मिलती, कभी किसी की जिम्मेदारी तय नहीं होती। हालांकि हर घटना के बाद जांच का वादा सरकार करती है। दूसरी बात जो नहीं बदलती कि मरने वाले तमाम श्रद्धालु बेहद सामान्य परिवारों के लोग रहते हैं, इनमें किसी अतिविशिष्ट व्यक्ति का नाम शुमार नहीं होता। अकाल मौत किसी को भी नहीं मिलनी चाहिए, न आम को, न खास को। लेकिन भारत में आम जनता को अकाल मृत्यु के खौफ से निजात नहीं है, खास कर तब जबकि वह आस्तिक हो और अपनी श्रद्धा के मुताबिक धर्मस्थलों में जाए।रहा सवाल तिरुपति हादसे का, तो मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने अस्पताल जाकर घायलों के हाल-चाल लिए हैं, प्रधानमंत्री से लेकर तमाम नेताओं की संवेदनाएं आ चुकी हैं, सरकार ने मुआवजे का ऐलान भी कर दिया है। इससे अधिक राहत या इंसाफ की अपेक्षा मौजूदा निजाम से नहीं की जा सकती।

शक्तिशाली जर्मन अर्थव्यवस्था में गिरावट के संकेत

डॉ.अजीत रानाडे

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के अनुसार जर्मनी 2024 में 4.7 खरब डॉलर के सकल घरेलू उत्पाद के साथ दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। इसकी आबादी करीब 8 करोड़ 40 लाख है। चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था जापान है जो 4.07 लाख करोड़ डॉलर की है और जिसकी आबादी 12.4 करोड़ है। भारत 3.9 लाख करोड़ डॉलर और 1.4 अरब लोगों के साथ पांचवें स्थान पर है। जापान की जनसंख्या हर साल आधा प्रतिशत घट रही है जबकि जर्मनी की जनसंख्या पिछले कुछ वर्षों से लगभग 0.8 से 1 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से बढ़ रही है। यह मुख्य रूप से अप्रवासियों की आमद के कारण है। यूक्रेन, अफ्रीका या सीरिया में चल रहे संघर्ष के कारण वहां से नागरिक पलायन कर रहे हैं पर दुनिया की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं (डॉलर के संदर्भ में) में पांच साल पहले के स्तर की तुलना में केवल जर्मनी स्थिर दिखाई देता है। संयुक्त राज्य अमेरिका की अर्थव्यवस्था पूर्व-महामारी के स्तर से केवल 10 फीसदी बढ़ी है। यहां तक कि जापान की 3,चीन 25 और भारत की 30 फीसदी बढ़ी है। जर्मनी की वृद्धि शून्य के करीब है और 2024 और 2025 में इसकी अर्थव्यवस्था और सिकुड़ जाएगी। यह दो साल की मंदी है। यह तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और दुनिया के लिए एक बड़ी भू-राजनीतिक शक्ति की कहानी है। जर्मनी पर इसका पहले से ही राजनीतिक प्रभाव पड़ा है। चांसलर ओलाफ स्कोल्ज़ के नेतृत्व वाली सरकार गिर गई है। यह सरकार पिछले महीने संसद से विश्वास मत प्राप्त करने में विफल रही। इसका मतलब है कि वहां सितंबर में निर्धारित चुनाव के बजाय फरवरी में समय से पहले चुनाव होंगे। एक महीने पहले तीन दलों के सत्तारूढ़ गठबंधन के ध्वस्त होने के बाद विश्वास मत न मिलना अपरिहार्य था। यह गोलमाल इसलिए था क्योंकि गठबंधन के तीसरे सदस्य, व्यापार समर्थक दक्षिणपंथी एफडीपी ने अन्य दो, एसडीपी और ग्रीन पार्टी से अलग होने का फैसला किया। वैसे भी इनमें मतभेद था लेकिन आखिरी तिनका अल्ट्रा-राइट विंग और एंटी-इमिग्रेंट पार्टी एएफडी की बढ़ती लोकप्रियता थी। एएफडी को सैक्सोनी और थुरिंगिया प्रांतों में चुनावों में भारी बढ़त मिली। एएफडी दक्षिणपंथी, लोक-लुभावन, यूरोस्केप्टिक (ब्रिटेन और यूरोपीय देशों की नजदीकियों विरोधी), जलवायु परिवर्तन विरोधी कार्रवाई है और आव्रजन का विरोध करती है। यह 2013 में गठित एक युवा पार्टी है परन्तु इसका उदय बहुत तेजी से हुआ है। यह लोक-लुभावन राजनीति के उदय की वैश्विक प्रवृत्ति का हिस्सा है जो एक स्पष्ट ज़ेनोफोबिक मानसिकता (विदेशी लोगों को नापसंद करना) वाली पार्टी है।

जर्मनी आर्थिक गिरावट की इस स्थिति में कैसे आया और क्या उसके पास दूसरों के लिए सबक है? सबसे पहले, चीन का प्रभाव है। वैसे इक्कीसवीं सदी में जर्मनी सबसे बड़ी निर्यात अर्थव्यवस्था थी जो चीन से भी आगे थी। दोनों देशों के बीच एक सहजीवी व्यापार संबंध था जिसके तहत जर्मनी उच्च मूल्य की पूंजीगत वस्तुओं, मशीनरी, ऑटोमोबाइल और रसायनों का निर्यात करता था और चीन बदले में उपभोक्ता वस्तुओं को वापस भेजता था, लेकिन चीन बाद में जर्मनी का प्रतियोगी बन गया और यहां तक कि जर्मन लक्जरी ब्रांड कारों का उत्पादन अब चीन में किया जाता है। दूसरे, यूरोप में 2011 के संप्रभु ऋ ण संकट का प्रभाव था। यह 2008 के लेहमैन संकट के बाद था। इस दूसरी लहर में एक मेगा बचाव के जरिए पुर्तगाल, आयरलैंड, इटली, स्पेन और विशेष रूप से ग्रीस की सरकारों को मुख्य रूप से जर्मनी की राजकोषीय और बैंकिंग शक्ति के नेतृत्व में बचाया गया था। बैंकिंग व्यवस्था के व्यापक पतन को रोकने के लिए यह बचाव आवश्यक था और यह इसलिए भी अधिक महत्वपूर्ण था क्योंकि जर्मन बैंक, दक्षिणी यूरोपीय देशों के संप्रभु ऋ ण से बहुत अधिक प्रभावित थे।

यह भी कहा जा सकता है कि यह 'पेबैक टाइम' था। जर्मनी ने 1999 से यूरो मुद्रा एकीकरण के लाभ उठाए थे। चूंकि पूर्ववर्ती जर्मन मुद्रा, यूरो शासन में बहुत मजबूत थी, जर्मनी के पास वास्तव में कम मूल्य वाली मुद्रा थी। इससे निर्यात में बेहद मदद मिली और कोई आश्चर्य नहीं कि यह एक बड़े व्यापार अधिशेष के साथ एक पॉवर हाऊस बन गया। बदले में यह अधिशेष यूरोप में बैंकिंग परिसंपत्तियों में पूंजी का बाहर जाना था जो 2011 के ऋण संकट के दौरान कटु अनुभव देने वाला हो गया था। इसलिए जर्मनी को अन्य यूरोपीय सरकारों को इस हालत से बचाने के लिए अपने स्वयं के राजकोषीय संसाधनों को खर्च करना पड़ा। जर्मनी की दुर्दशा के पीछे तीसरा बड़ा कारण यूक्रेन युद्ध और उसका नतीजा था। नॉर्ड स्ट्रीम गैस पाइपलाइन के नष्ट होने के बाद सस्ती गैस के लिए रूस के साथ मधुर संबंध समाप्त हो गए हैं। इसके कारण ऊर्जा की लागत बढ़ रही है व जर्मनी में गैस की कमी भी हो रही है। चीन अपनी वस्तुओं की वैश्विक डंपिंग के लिए अग्रणी है जिसके कारण जर्मन निर्यात संभावनाएं कम हो रही हैं। यह संभव है कि विनिर्माण, निर्यात मात्रा के लिहाज से नहीं तो कम से कम मूल्य के लिहाज से पुनर्जीवित होगा लेकिन जर्मनी को दीर्घकालिक गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है जो उत्पादकता वृद्धि को नीचे की ओर गिराते हैं। आईएमएफ की एक शोध रिपोर्ट के अनुसार जर्मनी के लिए वास्तविक मुसीबतें इसकी उम्रदराज हो रही आबादी, इसके बहुत कम सार्वजनिक निवेश, लालफीताशाही और बिगड़ी नौकरशाही के कारण हैं। जर्मनी की कामकाजी उम्र की आबादी अगले पांच वर्षों में लगभग 1 प्रतिशत तक घट जाएगी जब तक कि इसे आप्रवासियों द्वारा बराबर नहीं किया जाता है हांलाकि एएफडी आप्रवासियों का कड़ा विरोध करता है।

पिछले कुछ वर्षों में जीडीपी अनुपात में सार्वजनिक निवेश ओईसीडी और यूरोपीय देशों में सबसे कम है। यह आंशिक रूप से इस कारण से है क्योंकि संघीय सरकार एक सख्त राजकोषीय अनुशासन कानून से बंधी है तथा प्रांतीय तथा नगरपालिका सरकारें पर्याप्त निवेश नहीं कर रही हैं। फिर भी इससे उत्पादकता एवं विकास पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

यह वर्ष बढ़ी हुई अनिश्चितताओं वाला है। भावी राष्ट्रपति ट्रम्प की आर्थिक और व्यापारिक नीतियां अमेरिकी हितों के प्रति अधिक संरक्षणवादी होने के कारण देशों और व्यापारियों-सभी को चोट पहुंचा रही है? रूस युद्ध की लागत के भारी बोझ से कैसे बाहर आएगा? रूस में ब्याज दरें 21 प्रतिशत पर हैं और मुद्रास्फीति बढ़ रही है। क्या चीन अपनी मंदी को रोक पाएगा? यह भू-राजनीतिक व भू-आर्थिक परिदृश्य है जिसके खिलाफ जर्मन अर्थव्यवस्था को अपना लचीलापन दिखाना चाहिए। क्या गिरावट के बारे में निराशाजनक बातें अतिवादी हैं? केवल समय ही इस बारे में बताएगा।

जीवन मंत्र | ओशो

संत और पापी का फर्क

जब तुम किसी चीज को सहन करते हो, तो इसका अर्थ है, तुमने उसे स्वीकार नहीं किया है। तुम कहते हो, 'क्या किया जा सकता है? उसे छोड़ा नहीं जा सकता, नष्ट नहीं किया जा सकता, तो मुझे उसे सहना ही पड़ेगा।'

इस धरती पर अपराधी, समाज विरोधी, विद्रोही और नकारात्मक व्यक्तित्व भी आधा है। निषेध और विरोध करने वाले ये नकारात्मक लोग वे हैं, जो कभी महान राजनेता, तो कभी क्रांतिकारी बन जाते हैं और संसार में निषेध और विरोध का जहर उगलते हैं। हिटलर हो या स्तालिन अथवा मुसोलिनी या माओ, ये नकारात्मक लोग हैं। ये संतों के ठीक उल्टे हैं, पर एक मामले में दोनों लगभग एक जैसे हैं। ये भी संतों की तरह आधे-अधूरे हैं। अंतर केवल एक है- संत ने अपने अचेतन में जो छिपाया है, उससे ही अपने चेतन का निर्माण किया है।

इस संसार में सामान्यतः दो तरह के लोग होते हैं- संत और पापी। मगर ये दोनों एक साथ चलते हैं।

एक ऐसे संसार में, जहां कोई पापी न हो, तो वहां कोई संत भी न होगा। और उस संसार में जहां कोई संत न हो, वहां कोई पापी भी नहीं होगा। ये दोनों एक ही धंधे के दो साझेदार हैं। ये दोनों एक साथ रहते हैं, वे एक-दूसरे की सहायता करते हैं। बिना एक के दूसरा भी जीवित नहीं रह सकता। इस अस्तित्व में ही नहीं रह सकता। पापी संत को परिभाषित करता है और संत पापी की परिभाषा देता है। एक

ऋषि या फकीर के पास भिन्न तरह की चेतना होती है। वह अखंड होती है। वह न तो विधायक होती है और न नकारात्मक, उसने दोनों के गुणों को अवशोषित कर लिया होता है। वह सर्व-स्वीकार होता है। जो कुछ भी परमात्मा ने दिया है, उसी को एक इकाई में रूपांतरित करना है। मनुष्य को चुनाव नहीं करना, बल्कि स्वीकार करना है। स्मरण रहे, स्वीकार भाव से मेरा तात्पर्य सहनशीलता से नहीं है। जब तुम किसी चीज को सहन करते हो, तो इसका अर्थ है, तुमने उसे स्वीकार नहीं किया है। तुम कहते हो, 'क्या किया जा सकता है? उसे छोड़ा नहीं जा सकता, नष्ट नहीं किया जा सकता, तो मुझे उसे सहना ही पड़ेगा।' मगर स्वीकार भाव एक प्रसन्नतापूर्ण स्वागत है, 'जो कुछ परमात्मा ने दिया है, जरूर उसका कुछ अर्थ होगा, यद्यपि हो सकता है कि ठीक अभी मैं उसे समझने में समर्थ न हो सकूं। मुझे उसे खोजना होगा।' इसमें यह समझ निहित है कि जो कुछ हमें दिया गया है, उसका अर्थ है, अन्यथा वह मुझे दिया ही नहीं गया होता। एक ऋषि या फकीर धार्मिक व्यक्ति होता है, क्योंकि वह अखंड होता है। वह अपनी काम-वासना से इनकार नहीं करता, अपने क्रोध से इनकार नहीं करता, वह किसी भी चीज से मना नहीं करता। वह प्रत्येक चीज को गहरी समझ, कृतज्ञता और स्वागत भाव से स्वीकार करता है। और उस पूरी समझ, उस स्वागतपूर्ण दृष्टिकोण से चीजें बदलनी शुरू हो जाती हैं।

शख्सियत | पं. शिवकुमार शर्मा

भारत के मशहूर संतूर वादक

पंडित शिवकुमार शर्मा का जन्म 13 जनवरी 1938 को जम्मू, भारत में हुआ था। शिवकुमार शर्मा भारत के मशहूर संतूर वादक थे। जिनका निधन 10 मई 2022 को हो गया। शिवकुमार शर्मा संतूर के साथ-साथ एक अच्छे गायक भी थे। 13 वर्ष की अवस्था में शिवकुमार ने संतूर बजाने में महारथ हासिल कर ली थी। इनका पहला कार्यक्रम बंबई में 1955 को हुआ था।

पं. शिवकुमार शर्मा भारत के मशहूर संतूर वादक और अच्छे गायक थे, जिनका निधन 10 मई 2022 को हो गया। शिवकुमार शर्मा संतूर के महारथी होने के साथ-साथ एक अच्छे गायक भी थे। इन्हें ही संतूर को लोकप्रिय शास्त्रीय वाद्य बनाने में पूरा श्रेय जाता है। खास बात ये भी है कि इन्होंने संगीत साधना जब आरंभ की थी तब संतूर के बारे में कभी हल्का-फुल्का भी नहीं सोचा था। लेकिन पिता के वचन उनके लिए बहुत मायने रखते थे। उन्हें अपने पिता के उस निश्चय के बारे में खबर थी। ऐसे में उन्होंने भी पिता के इस सपने को पूरा करने में जान फूंक दी। साल 1960 में पंडित शिवकुमार शर्मा का सबसे पहला एलबम आया था। 1965 में उन्होंने निर्देशक वी शांताराम की फिल्म के लिए संगीत दिया। ये फिल्म थी-झनक झनक पायल बाजे। शिवकुमार शर्मा ने आगे चलकर और भी कई फिल्मों के लिए संगीत दिया। शर्मा ने पं. हरि प्रसाद चौरसिया के साथ कई हिन्दी फिल्मों में अपना म्यूजिक दिया। साल 1970 में उन्होंने ये काम शुरू किया। ऐसे में वे शिव-हरि नाम से पॉपुलर होने लगे। शिवकुमार शर्मा ने अपने करियर में फिल्म फासले, चांदनी, लम्हे और डर के लिए काम किया। अपने संघर्षों के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, यह एक कठिन दौर था। मुझे काम की तलाश में इधर-उधर जाना याद है। ऐसे दिन थे जब मेरी जेब में केवल एक आना था और खाने के लिए कुछ नहीं था। मैं दूसरों का साथ देने के लिए तबला बजाता था। संतूर की नकारात्मक आलोचना के कारण संगीत कार्यक्रम करना मुश्किल था। अजीब फिल्म असाइनमेंट ने मुझे बनाए रखने में मदद की। लेकिन वह कहते हैं कि उन्होंने कभी भी आलोचना को प्रभावित नहीं होने दिया और वह प्रसिद्धि और पहचान के लिए लंबे और कष्टदायक रास्ते से डटे रहे। जो मेरा था वो अब अनजान है। मेरा दिल स्वीकार नहीं कर रहा है कि आप चले गए हैं। यदि आप अपनी कहानी लिख रहे हैं तो किसी और को अपनी कलम पकड़ने न दें। मन एक अद्भुत सेवक है, लेकिन एक भयानक स्वामी है। प्यार में मरना आसान है, लेकिन उस दर्द के साथ पूरी जिंदगी जीना सबसे मुश्किल काम है। हम शांति में जितना पसीना बहाएंगे, युद्ध में उतना ही कम खून बहाएंगे।

जीवन ऊर्जा | राकेश शर्मा : जन्म- 13 जनवरी 1949 | जन्म

परिवर्तन जीवन का सार है, इसे स्वीकार करें

विंग कमांडर राकेश शर्मा, एक पूर्व भारतीय वायु सेना पायलट हैं, जिन्होंने इंटरकोस्मोस कार्यक्रम के हिस्से के रूप में 2 अप्रैल 1984 को लॉन्च किए गए सोयुज टी-11 पर उड़ान भरी थी। शर्मा आज तक अंतरिक्ष में यात्रा करने वाले पहले और एकमात्र भारतीय नागरिक हैं। उनका जन्म 13 जनवरी 1949 को वर्तमान पंजाब के पटियाला में हुआ था। भारत ने उन्हें और उनके मिशन के दो सोवियत सदस्यों, मालिशेव और स्ट्रेकालोव को अपने सर्वोच्च शांतिकालीन वीरता पुरस्कार, 'अशोक चक्र' से भी सम्मानित किया।

पृथ्वी एक अंतरिक्ष यान है और हम सभी इसके चालक दल के सदस्य हैं। ब्रह्माण्ड की विशाल योजना में हमारी समस्याएं महत्वहीन लगती हैं। खुशी की कुंजी सबसे सरल चीजों में सुंदरता ढूंढना है। जीवन एक साहसिक कार्य है, अनजान लोगों को गले लगाओ। स्वयं को वास्तव में समझने के लिए, हमें पहले ब्रह्मांड को समझना होगा। कहीं भी, कभी भी अपने दिमाग को सशक्त बनाएं।

तारे भविष्य में आने वाली अनंत संभावनाओं की याद दिलाते हैं। ब्रह्माण्ड एक विशाल और जटिल कृति है। जिज्ञासु बनें, क्योंकि ज्ञान सबसे बड़ा उपहार है जो हम स्वयं

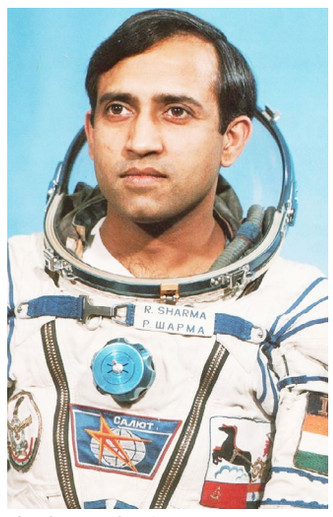

को दे सकते हैं। हमारी क्षमताएं असीमित हैं, बशर्ते हमें खुद पर विश्वास हो। गलतियां उन्नति का अवसर हैं, निराशा का कारण नहीं। सपनों की ताकत हमें हकीकत की सीमाओं से परे ले जा सकती है। हर अंत एक नई शुरुआत है, अगर हम इसे इस तरह से देखना चुनते हैं। प्रेम वह शक्ति है जो ब्रह्मांड को एक साथ बांधती है।

परिवर्तन जीवन का सार है, इसे स्वीकार करें। हम ब्रह्मांड की कहानी का एक छोटा सा हिस्सा हैं, फिर भी हममें बदलाव लाने की शक्ति है। हमारे आज के कार्य आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को आकार देते हैं। समय एक बहुमूल्य संसाधन है, इसका उपयोग बुद्धिमानी से करें। जीवन की सुंदरता उसकी अपूर्णताओं में निहित है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

गुरू ने ली शिष्य की अनोखी परीक्षा

भारतीय संस्कृति में गुरु-शिष्य परम्परा सदियों के चली आ रही है। इसके अन्तर्गत गुरु (शिक्षक) अपने शिष्य को शिक्षा देता है या कोई विद्या सिखाता है। बाद में वही शिष्य गुरु के रूप में दूसरों को शिक्षा देता है। यही क्रम चलता रहता है। यहां हम आपको श्री समर्थ रामदास स्वामी महाराज के प्रमुख शिष्य 'कल्याण स्वामी' की एक कथा बताने जा रहे हैं, जो गुरू भक्ति की मिसाल कायम करती है। एक समय की बात है, श्री समर्थ महाराज और उनका शिष्य परिवार कुछ दिनों के लिए एकत्रित हुआ। शिष्यों में परस्पर होड़ सी लग गई थी कि सद्गुरु की सबसे बढ़कर सेवा कौन करता है और सभी प्राय अपने को सर्वोपरि सेवक के रूप में परिचय देने के लिए लालायित थे। श्री सद्गुरु से भला यह बात कैसे छिपी रह सकती थी। इसलिए उन्होंने 'सच्ची कसौटी पर कौन शिष्य खरा उतरता है' इसकी परीक्षा के लिए एक लीला रची। एक दिन जब कि समस्त शिष्टमंडल उपस्थित था। वे जोर से कराहने लगे। मानो कहीं उनको बड़ी पीड़ा हो रही हो। समस्त शिष्य घबरा गए और सब ने समर्थ महाराज से इसका कारण पूछा?

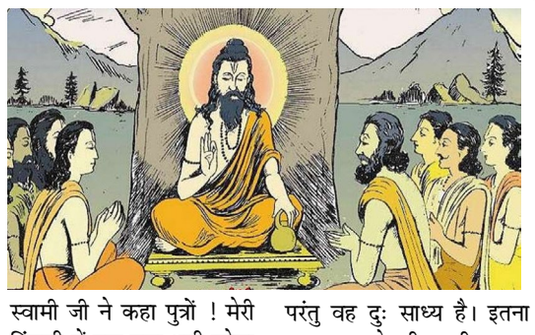

स्वामी जी ने कहा पुत्रों ! मेरी पिंडली में एक बड़ा भारी फोड़ा हो गया है और उसमें असह्य पीड़ा हो रही है। शिष्य मंडली में हलचल सी मच गयी। स्वामी जी ने कहा-'सुनो पुत्रों! यह मेरा फोडा साधारण नहीं है और यह तुम्हारे किसी भी बाहरी उपचार से ठीक नहीं हो सकेगा'।

शिष्य आग्रह पूर्वक बोले- 'महाराज! कुछ-न-कुछ उपचार तो अवश्य ही होना चाहिए।' स्वामी महाराज ने उत्तर दिया, हां वत्सो! इसके लिए एक ही उपचार हो सकता है और उससे तुरंत ही मेरी पीड़ा मिट जाएगी, परंतु वह दुः साध्य है। इतना कह कर वो चीख चीख कर पुनः कराहने लगे । यह देखकर शिष्य बोले- महाराज कैसा भी दुःसाध्य उपचार क्यों न हो, उसे करने में हमें अपने प्राणों की चिंता नहीं है, आप बताएं तो सही। स्वामी जी सब शिष्यो से यही तो कहलवाना चाहते थे। उनके इतना कहते ही स्वामी जी बोले -सुनो, इसका उपचार यह है कि कोई मनुष्य मेरे इस फोड़े को मुंह लगाकर चूस ले, बस मेरी वेदना तुरंत मिट जाएगी, परंतु वह चूसने वाला मर जाएगा । स्वामी जी की यह बात सुनते ही सब शिष्य एक-दूसरे की ओर ताकने लगे। कोई भी इस कार्य के लिए आगे नहीं बढ़ा। अंत में 'कल्याण' नामक शिष्य उठे और उन्होंने स्वामी जी से फोड़े पर बंधी पट्टी खोलने के लिए कहा। स्वामी जी ने कहा-पट्टी खोलने में मुझे असह्य वेदना होगी, इसलिए पट्टी नहीं खोलनी है। हां , पट्टी में से एक कोने पर फोड़े का काला सा मुह दिख रहा है, बस वहीं से चूसना आरंभ कर दो। 'कल्याण' ने सतगुरु चरण पर सिर रखा और फोड़े को मुंह में लेकर चूसने आरंभ कर दिया। फोड़े में से चार-छः घूंट लेने के बाद तो कल्याण ने अपना मुंह फोडे पर सारी शक्ति से लगा दिया और बड़े जोर से चूसना आरंभ किया । उसे बड़ा मधुर स्वाद मिल रहा था। स्वामी जी चिल्ला उठे-अरे कल्याण ! धीरे, अरे धीरे। पर कल्याण कब मानने वाले थे।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा

वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक। मो. नं. 9425980556

सक्सेस मंत्र

तकलीफों का बोझ पीठ पर उठाकर लंबी दूरी नहीं तय सकते

बहुत समय पहले की बात है, एक गांव में एक महात्मा रहते थे। आसपास के गांवों के लोग अपनी समस्याओं और परेशानियों के समाधान के लिए महात्मा के पास जाते थे और संत उनकी समस्याओं, परेशानियों को दूर करके उनका मार्गदर्शन करते थे। एक दिन एक व्यक्ति ने महात्मा से पूछा- गुरुवर, संसार में खुश रहने का रहस्य क्या है? महात्मा ने उससे कहा कि तुम मेरे साथ जंगल में चलो, मैं तुम्हे खुश रहने का रहस्य बताता हूं। महात्मा और वह व्यक्ति जंगल की तरफ चल दिए। रास्ते में चलते हुए महात्मा ने एक बड़ा सा पत्थर उठाया और उस व्यक्ति को देते हुए कहा कि इसे पकड़ो और चलो। उस व्यक्ति ने वह पत्थर लिया और वह महात्मा के साथ-साथ चलने लगा। कुछ देर बाद उस व्यक्ति के हाथ में दर्द होने लगा लेकिन वह चुप रहा और चलता रहा। जब चलते-चलते बहुत समय बीत गया और उस व्यक्ति से दर्द सहा नहीं गया तो उसने महात्मा से कहा कि उसे बहुत दर्द हो रहा है। महात्मा ने कहा कि इस पत्थर को नीचे रख दो। पत्थर को नीचे रखते ही उस व्यक्ति को बड़ी राहत मिली। महात्मा ने उससे पूछा, जब तुमने पत्थर को अपने हाथ में उठा रखा था तब तुम्हे कैसा लग रहा था। उस व्यक्ति ने कहा, शुरू में दर्द कम था तो मेरा ध्यान आप पर ज्यादा था पत्थर पर कम था लेकिन जैसे-जैसे दर्द बढ़ता गया मेरा ध्यान आप पर से कम होने लगा और पत्थर पर ज्यादा होने लगा और एक समय मेरा पूरा ध्यान पत्थर पर आ गया और मैं इससे अलग कुछ नहीं सोच पा रहा था। महात्मा ने उससे फिर से सवाल किया, जब तुमने पत्थर को नीचे रखा तब तुम्हे कैसा महसूस हुआ। इस पर उस व्यक्ति ने कहा- पत्थर नीचे रखते ही मुझे बहुत राहत महसूस हुई और खुशी भी महसूस हुई। तब महात्मा ने कहा, यही है खुश रहने का रहस्य! इस पर वह व्यक्ति बोला, गुरुवर, मैं कुछ समझा नहीं। तब महात्मा ने उसे समझाते हुए कहा, जिस तरह इस पत्थर को थोड़ी देर हाथ में उठाने पर थोड़ा सा दर्द होता है, थोड़ी और ज्यादा देर उठाने पर थोड़ा और ज्यादा दर्द होता है और अगर हम इसे बहुत देर तक उठाए रखेंगे तो दर्द भी बढ़ता जाएगा। उसी तरह हम दुखों के बोझ को जितने ज्यादा समय तक उठाए रखेंगे हम उतने ही दुखी और निराश रहेंगे। यह हम पर निर्भर करता है कि हम दुखों के बोझ को कितनी देर उठाए रखते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com **कार्यकारी संपादक :** अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

लक्ष्मीहीन हो गई थी धरती

चारों तरफ मच गया था हाहाकार

जानें महाकुंभ से पहले की ये कहानी

महाकुंभ की कहानी आप सागर मंथन से जानते हैं, लेकिन क्या आपको पता है कि ऐसा क्या हुआ था कि सागर मंथन किया और अमृत की बूंदे पृथ्वी पर चार स्थानों पर गिरी, जहां आज महाकुंभ आयोजित किया जाता है।

देवताओं के दिए गए श्राप का कारण

महाकुंभ से समुद्र मंथन की कथा तो आप जानते होंगे, लेकिन क्या उन वजहों को जानते हैं, जिसकी वजह से समुद्र मंथन हुआ और महाकुंभ का आयोजन किया जा रहा है। इसके पीछे स्वर्ग से जुड़ी एक कहानी का वर्णन स्कंदपुराण में मिलता है। दरअसल समुंद्रमंथन जो किया गया था, वो मुनि द्वारा देवताओं को दिए गए श्राप का कारण था। स्वर्ग की राजधानी में किसी तरह की कोई कमी नहीं थी। सभी देवता ऐशो आराम में डूब गए थे।

इंद्र देव भी अलसी और अभिमानी हो गए थे

इंद्र देव भी अलसी और अभिमानी हो गए थे। एक बार का युद्ध जीतने के बाद उनमें घमंड आ गया था। रात दिन वो सोमरस के नशे में चूर रहते थे। इसको देखकर सभी चिंतित थे कि कहीं भविष्य में कोई अनहोनी ना हो जाए।

लक्ष्मी जी स्वर्ग से जाकर सागर में विलुप्त हो गई

ऋषि के श्राप से लक्ष्मी जी स्वर्ग से जाकर सागर में विलुप्त हो गई, हर तरफ हाहाकार मच गया। मौके का फायदा उठाकर दानवों ने भी फिर मिलकर आक्रमण कर दिया। देवताओं और राजा इंद्र को अपनी भूल का एहसास हुआ और भगवान विष्णु ने उन्हे एक रास्ता सुझाया।

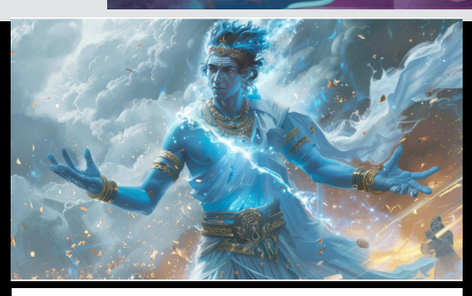

ऋषि दुर्वासा से भगवान इंद्र को समझाने की बात कही

इंद्र का आलस और आमोद-प्रमोद इतना बढ़ गया था वो किसी ग्रह की बैठक में भी नहीं जाते थे, जिससे ग्रह असंतुलित हो रहे थे। इसके बाद सप्तऋर्षियों ने चिंता जताई और ऋषि दुर्वासा से भगवान इंद्र को समझाने की बात कही।

ऋषि दुर्वासा बहुत क्रोधित हो गए

अपने उपहार का ऐसा अनादर देख ऋषि दुर्वासा बहुत क्रोधित हो गए। उन्होंने गुस्से में श्राप दिया कि तुम लोग लक्ष्मी हीन हो जाओगे, जिस जीत और धन, धान्य, ऐशवर्य का तुम घमंड कर रहे हो, वो कुछ नहीं तुम्हारे पास बचेगा।

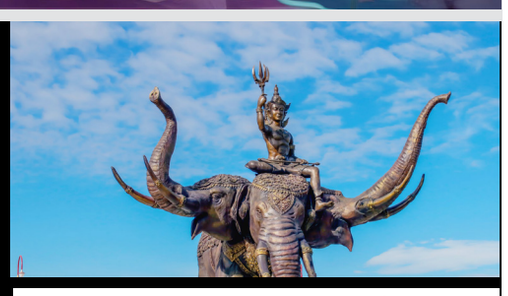

देवराज को समझाने के लिए दर्वासा ऋषि जब वहां पहुंचे तो

देवराज को समझाने के लिए दर्वासा ऋषि जब वहां पहुंचे तो स्वर्ग का माहौल बिल्कुल ही अलग था। सभी आमोद-प्रमोद में डूबे हुए थे। ऋषि ने जब एक फूलों की माला इंद्र को उपहार स्वरूप दी, तो इंद्र ने ऐरावत पर वो माला डाल दी, ऐरावत ने माला को पैरों तले रौंद दिया।

समुद्र मंथन कर अमृत कलश निकाला।

उन्होंने कहा कि समुद्र का मंथन करो, तब सभी देवताओं ने समुद्र मंथन कर अमृत कलश निकाला। अमृत कलश से कुछ बूंदे गिरकर धरती पर चार जगहों पर पड़ी, जहां पर कुंभ का आयोजन किया जाता है।

क्यों जरूरी है सेल्फ केयर?

खुद की देखभाल के लिए उठाएं ये छोटे कदम

कोई अगर आपसे यह सवाल करे कि आप हर दिन खुद पर कितना वक्त खर्च करती हैं, तो आपका क्या जवाब होगा? जहां तक मेरा अनुभव है, अधिकांश महिलाएं झट से कहेंगी कि जिम्मेदारियों से वक्त मिले, तब तो वो खुद के लिए कुछ कर पाएं। हमारे-आपके अनुभव ही नहीं बल्कि हाल में हुए एक अध्ययन में भी यह बात सामने आई है कि महिलाएं पुरुषों की तुलना में खुद पर बहुत कम वक्त खर्च करती हैं। इंडिया स्पेंड नाम की एक संस्था के द्वारा किए गए अध्ययन के अनुसार शादीशुदा भारतीय महिलाएं अपने समकक्ष पुरुषों की तुलना में खुद को हर दिन 85 मिनट कम वक्त दे पाती हैं। वहीं भारतीय महिलाएं हर सप्ताह 44 घंटे से ज्यादा का वक्त ऐसे कामों में बिताती हैं, जिनके लिए उन्हें कोई मेहनताना नहीं मिलता। वहीं पुरुष हर सप्ताह ऐसे कामों पर मात्र पांच घंटे खर्च करते हैं। इस अध्ययन के आंकड़े इस बात को दर्शाते हैं कि भारतीय महिलाओं के पास न खुद के लिए वक्त होता है और न ही वो ऐसा करने के बारे में सोच पाती हैं। जिम्मेदारियों के बोझ के बीच से जब कुछ महिलाएं थोड़ा-सा वक्त खुद के लिए चुरा लेती हैं, तो उन्हें ऐसा लगता है मानो कि वो कुछ पाप कर रही हैं या फिर स्वार्थी बन रही हैं। वहीं, अधिकांश लोग सेल्फ केयर यानी खुद की देखभाल को अकसर किसी शानदार छुट्टी पर जाने या फिर स्पा जाकर कोई आकर्षक-सा मसाज लेने से जोड़ते हैं। अमूमन, सेल्फ केयर को पैसे खर्च करने से जोड़कर देखा जाता है। पर, सेल्फ केयर का संबंध पैसों से नहीं बल्कि आपकी मानसिक व शारीरिक सेहत से है। सेल्फ केयर का मतलब अपनी जरूरतों को समझना और उसे पूरा करना है। पर, समस्या यह है कि अधिकांश महिलाएं इस बात को समझ ही नहीं पाती हैं कि उनकी शारीरिक व मानसिक सेहत के लिए कौन-सी बातें जरूरी हैं। हमारे समाज में महिलाओं को हमेशा से अपनी जरूरतों की तुलना में दूसरों की जरूरतों को प्राथमिकता देना सिखाया गया है। ऐसे में वो जब भी खुद की ओर थोड़ा ध्यान देने लगती हैं, तो उन्हें ऐसा महसूस होने लगता है कि वे स्वार्थी हो रही हैं। सेल्फ केयर का जो शाब्दिक अर्थ है, वहीं उसका असली अर्थ भी है यानी खुद की देखभाल करना। अगर आप लंबे समय तक खुद की देखभाल करने से बचेंगी तो आपके शरीर और मन पर उसका नकारात्मक असर नजर आने लगेगा।

खुद की अनदेखी का असर

खुद को काम के बोझ तले दबा देने का असर न सिर्फ शरीर बल्कि मन की सेहत पर भी पड़ता है। काम का लगातार दबाव आपको तनाव का शिकार बनाएगा और यह तनाव बनेगा कई सारी बीमारियों का जड़। तनाव से शरीर की रोग प्रतिरोधी क्षमता कमजोर होती है, जिससे आप आप सर्दी-जुकाम, अवसाद, दिल की बीमारियां, उच्च रक्तचाप, पेट की बीमारियां, मेटाबॉलिक सिंड्रोम, नींद से जुड़ी समस्याएं और डायबिटीज आदि की आसान शिकार बन जाएंगी।

छोटे-छोटे कदमों से

खुद की देखभाल से आपको रीचार्ज होने का मौका मिलेगा। थकान आप पर कभी हावी नहीं होगी और आप खुशमिजाज भी रहेंगी। खास बात यह है कि इसके लिए हर सप्ताह स्पा जाने या बहुत ज्यादा पैसे खर्च करने की भी जरूरत नहीं। कैसे छोटे-छोटे कदमों से करें खुद की देखभाल, आइए जानें

■ हर दिन कुछ वक्त खुद के साथ बिताएं। चौबीसों घंटे कोई-न-कोई जिम्मेदारी उठाते रहना जरूरी नहीं। मन की शांति के लिए हर दिन कुछ वक्त शांति से बैठना और आराम करना भी जरूरी है। खास बात यह है कि आपका ऐसा करना स्वार्थी होना बिल्कुल भी नहीं है।

■ आपकी जिंदगी में भी कुछ लोग ऐसे होंगे, जिनसे बातें करके आपका मन हल्का होता होगा। ऐसे लोगों से नियमित रूप से बात करें। तनाव कम करने में मदद मिलेगी।

■ अगर आपके घर में पालतू जानवर हैं, तो हर दिन कुछ वक्त उनके साथ बिताएं। पालतू जानवरों के साथ वक्त बिताने से न सिर्फ शारीरिक सक्रियता बढ़ती है बल्कि एंग्जाइटी का सामना करने में भी मदद मिलती है।

■ अपनी सीमाएं तय करें। हर चीज के लिए हां कहने की अपनी आदत बदलें। जिस काम को करने की आपकी इच्छा नहीं है, उसके लिए ना कहना सीखें।

5 अपने स्मार्टफोन के स्क्रीन में डूबे रहना हम सब की आदत हो गई है। इस आदत को बदलें। स्मार्टफोन से दूरी बनाएं ताकि आपको रीचार्ज होने का मौका मिले। सोशल मीडिया, ईमेल और खबरों से नियमित रूप से दूरी बनाकर आप अपने मन को सुकून दे पाएंगी।

■ कोई ऐसी गतिविधि तलाशें, जिससे आपके मन को सुकून मिलता हो। नियमित रूप से ऐसी गतिविधि करने से तनाव कम होगा और खुद की बेहतरी की दिशा में नए सफर की शुरुआत होगी।

दोपहर में सोने से कम होते हैं धन और आयु

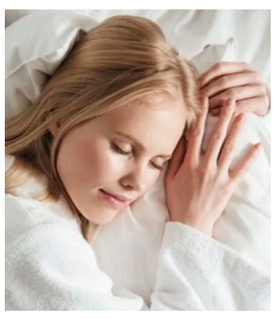

आचार्य चाणक्य भारत के इतिहास में अब तक हुए सबसे बड़े विद्वानों में से एक हैं। उन्होंने जीवन के हर एक पहलू पर अपने विचार दिए और चीजों को इतनी सरलता और स्पष्टता के साथ बताया कि आज भी उनकी बातें उतना ही महत्व रखती हैं, जितना उस समय में रखती थीं। आचार्य ने सेहत से जुड़ी कई बातों का जिक्र भी अपनी नीतियों में किया। अपने एक श्लोक में उन्होंने दिन में सोने के नुकसान पर भी बात की है। हममें से अक्सर कई लोग दोपहर की हल्की झपकी लेना पसंद करते हैं लेकिन ये आदत आचार्य चाणक्य के अनुसार बिल्कुल भी अच्छी नहीं। उन्होंने इसके कई बड़े नुकसानों का जिक्र अपनी नीति में किया है। आज हम आपको आचार्य चाणक्य के अनुसार ही दिन में सोने के नुकसान बताने वाले हैं। जो लोग दोपहर में सोते हैं वो औरों से कम करते हैं। ऐसे में उनके कार्य की हानि होती है और समय की बर्बादी के अलावा कुछ हाथ नहीं लगता। ऐसे लोगों को कई बार धन की हानि भी झेलनी पड़ सकती है। आचार्य के मुताबिक यदि आप बीमार हैं या कोई गर्भवती स्त्री या छोटा बच्चा है तो केवल उसे ही दिन में सोने का अधिकार है। यदि आप स्वस्थ्य हैं तो जीवन के हर एक क्षण का उपयोग करें, उसे यूं ही सो कर व्यर्थ जाया ना करें। दोपहर में सोने से सेहत पर भी इसका बुरा असर पड़ता है। जो लोग दोपहर के समय सोते हैं उन्हें अपच, गैस एसिडिटी जैसी पेट संबंधित समस्याएं हो सकती हैं। डॉक्टर भी दोपहर के समय की नींद को हेल्थ के लिए सही नहीं मानते हैं। डॉक्टर के मुताबिक दोपहर के समय 10 से 15 मिनट के लिए पावर नैप लेना तो ठीक है लेकिन जो लोग 2 से 3 घंटे की नींद लेते हैं, वो उनकी हेल्थ के लिए नुकसानदायक हो सकता है। दोपहर की नींद से ना सिर्फ पेट से जुड़ी समस्याएं होती हैं बल्कि इससे रात के समय की नींद भी प्रभावित होती है। दोपहर में सोने से मनुष्य की आयु भी कम होती है। इस बात को चाणक्य ने एक श्लोक के माध्यम से बताया है,₹आयुःक्षयी दिवा निद्रा'।

मकर संक्रांति 14 जनवरी को, 8 घंटे 43 मिनट का रहेगा पुण्यकाल

सूर्यदेव 14 जनवरी मंगलवार को मकर राशि में प्रवेश करेंगे। इसी दिन मकर संक्रांति पर्व मनाया जाएगा और प्रयागराज के विश्व प्रसिद्ध कुम्भ स्नान का पुण्य क्रम शुरु हो जाएगा। इस बार मकर संक्रांति की तिथि को लेकर असमंजस की स्थिति नहीं है। ज्योतिष विशेषज्ञ पं उमेश शास्त्री दैवज्ञ के अनुसार पीले वस्त्र पहने सूर्यदेव शेर पर सवार होकर दक्षिणायन से उत्तरायण होंगे। यह दिन न केवल धार्मिक, बल्कि सांस्कृतिक दृष्टि से भी विशेष माना जाता है। इस दिन सूर्य उपासना के साथ त्रिवेणी संगम और गंगा स्नान और दान-पुण्य का विशेष महत्व है। मकर संक्रांति पर खरमास की भी समाप्ति हो जाएगी और फिर से शुभ और मांगलिक कार्य प्रारंभ हो जाएंगे। मकर संक्रांति पर क्षेत्र के मंदिरों सहित प्रयागराज के संगम की रेती में विशेष आयोजन होंगे, जिसकी तैयारियां पूरी हो रही हैं। ज्योतिष विशेषज्ञ पं उमेश शास्त्री दैवज्ञ ने बताया कि सूर्यदेव का धनु राशि से निकलकर मकर राशि में प्रवेश सुबह 8.54 बजे पुष्य नक्षत्र में होगा। इसके साथ ही खरमास के कारण रुके हुए विवाह, गृह प्रवेश, यज्ञोपवीत संस्कार जैसे मांगलिक व शुभ कार्य पुनःशुरु हो जाएंगे। इस दिन कुम्भ स्नान,दान या धार्मिक कार्यों का सौ गुना फल मिलता है। मकर संक्रांति का पुण्य काल सुबह 9:03 से शाम 5:47 बजे तक रहेगा। इसका कुल समय 8 घंटे 43 मिनट रहेगा। वहीं महापुण्य काल में सुबह 9:03 से 10:50 बजे तक श्रेष्ठ समय रहेगा। इसकी कुल अवधि एक घंटा 47 मिनट होगी। दान-पुण्य पूरे दिन किया जा सकेगा।

लोहड़ी 13 जनवरी को

इस बार पौष पूर्णिमा के दिन मकर संक्रांति की पूर्व संध्या पर 13 जनवरी सोमवार को लोहड़ी पर्व मनाया जाएगा। इसी के साथ इस साल प्रयागराज में महाकुम्भ माघ स्नान की शुरूआत भी होगी। पारंपरिक तौर पर लोहड़ी का पर्व फसल की बुवाई और कटाई से जुड़ा हुआ है और इसे लोग संध्या के समय अग्नि के चारों तरफ परिक्रमा कर मनाते हैं। लोहड़ी की अग्नि में गुड़, तिल, रेवड़ी, गजक आदि डालने के बाद इन्हें अपने परिवार एवं रिश्तेदारों के साथ बांटने की परंपरा प्राचीन है।

राशिफल

प्रियंका जैन

मेष मानसिक शांति के लिए किए गए प्रयास सफल रहेंगे। कोर्ट-कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। प्रसन्नता रहेगी। किसी धार्मिक यात्रा की योजना बनेगी।

वृष वाहन व मशीनरी इत्यादि के प्रयोग में लापरवाही न करें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। दूसरों के कार्य में हस्तक्षेप न करें। अपेक्षित कार्यों में विलंब होगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

मिथुन कार्यक्षेत्र के लिए नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। बिगड़े काम बन सकते हैं। समाजसेवा करने का मन बनेगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। व्यस्तता रहेगी। आराम का समय नहीं मिलेगा।

कर्क व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। किसी प्रभावशाली व्यक्ति का सहयोग व मार्गदर्शन प्राप्त होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

सिंह समाजसेवा करने की प्रेरणा प्राप्त होगी। मान-सम्मान मिलेगा। खोई हुई वस्तु मिलने के योग हैं। व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगी। शत्रु सक्रिय रहेंगे।

कन्या शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। कारोबार अच्छा चलेगा। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। किसी आनंदोत्सव में भाग ले सकते हैं।

तुला किसी तरह से बड़ा लाभ होने की संभावना है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। किसी तरह के विवाद में विजय प्राप्त होगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

वृश्चिक कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। थकान व कमजोरी रह सकती है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। दूसरों से अधिक अपेक्षा न करें। बेवजह चिड़चिड़ापन रहेगा।

धनु भावना में बहकर महत्वपूर्ण निर्णय न लें। नौकरी में कार्यभार रहेगा। लाभ होगा। स्वास्थ्य के संबंध में लापरवाही न करें। स्वास्थ्य पर व्यय होगा। दुःखद समाचार मिल सकता है। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। कुसंगति से हानि होगी।

मकर मनपसंद व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग अपने कार्य उत्साह व लगन से कर पाएगा। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है। धन प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा। प्रमाद न करें।

कुंभ घर, दुकान, फैक्टरी व शोरूम इत्यादि के खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। कारोबार में बड़ा लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। रुके काम बनेंगे। घर-बाहर उत्साह व प्रसन्नता से काम कर पाएंगे।

मीन प्रसन्नता का वातावरण निर्मित होगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति अनुकूल बनेगी। व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा। निवेश शुभ रहेगा।

ग्रहों के प्रभाव को दूर करने का अचूक उपचार

महाभारत के युद्ध से ठीक पहले श्रीकृष्ण द्वारा अर्जुन को दिए गए ज्ञान यानी गीता में ढेरों ज्योतिषीय उपचार भी छिपे हुए हैं। गीता के अध्यायों का नियमित अध्ययन कर हम कई समस्याओं से मुक्ति पा सकते हैं। गीता की टीका तो बहुत से योगियों और महापुरुषों ने की है लेकिन ज्योतिषीय अंदाज में अब तक कहीं पुख्ता टीका नहीं है। फिर भी कहीं-कहीं ज्योतिषियों ने अपने स्तर पर प्रयोग किए हैं और ये बहुत अधिक सफल भी रहे हैं। गीता की नैसर्गिक विशेषता यह है कि इसे पढने वाले व्यक्ति के अनुसार ही इसकी टीका होती है। यानि हर एक के लिए अलग। इन संकेतों के साथ इस स्वतंत्रता को बनाए रखने का प्रयास किया गया है। गीता के अठारह अध्यायों में भगवान श्रीकृष्ण ने जो संकेत दिए हैं उन्हें ज्योतिष के आधार पर विश्लेषित किया गया है। इसमें ग्रहों का प्रभाव और उनसे होने वाले नुकसान से बचने और उनका लाभ उठाने के संबंध में यह सूत्र बहुत काम के लगते हैं। शनि संबंधी पीड़ा होने पर प्रथम अध्याय का पठन करना चाहिए। द्वितीय अध्याय, जब जातक की कुंडली में गुरु की दृष्टि शनि पर हो, तृतीय अध्याय 10वां भाव शनि, मंगल और गुरु के प्रभाव में होने पर, चतुर्थ अध्याय कुंडली का 9वां भाव तथा कारक ग्रह प्रभावित होने पर, पंचम अध्याययय भाव 9 तथा 10 के अंतरपरिवर्तन में लाभ देते हैं। इसी प्रकार छठा अध्याय तात्कालिक रूप से आठवां भाव एवं गुरु व शनि का प्रभाव होने और शुक्र का इस भाव से संबंधित होने पर लाभकारी है। सप्तम अध्याय का अध्ययन 8वें भाव से पीड़ित और मोक्ष चाहने वालों के लिए उपयोगी है। आठवां अध्याय कुंडली में कारक ग्रह और 12वें भाव का संबंध होने पर लाभ देता है। नौवें अध्याय का पाठ लग्नेश, दशमेश और मूल स्वभाव राशि का संबंध होने पर करना चाहिए। गीता का दसवां अध्याय कर्म की प्रधानता को इस भांति बताता है कि हर जातक को इसका अध्ययन करना चाहिए। हर ग्रह की पीड़ा में यह लाभदायी है। कुंडली में लग्नेश 8 से 12 भाव तक सभी ग्रह होने पर ग्यारहवें अध्याय का पाठ करना चाहिए। बारहवां अध्याय भाव 5 व 9 तथा चंद्रमा प्रभावित होने पर उपयोगी है। तेरहवां अध्याय भाव 12 तथा चंद्रमा के प्रभाव से संबंधित उपचार में काम आएगा। आठवें भाव में किसी भी उच्च के ग्रह की उपस्थिति में चौदहवां अध्याय लाभ दिलाएगा। इसी प्रकार पंद्रहवां अध्याय लग्न एवं 5वें भाव के संबंध में और सोलहवां अध्याय मंगल और सूर्य की खराब स्थिति में उपयोगी है।

प्रियंका जैन
9769994439

खबर संक्षेप

बिहार बंद के दौरान बवाल, पप्पू यादव हिरासत में

पुर्णिया। निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने बीपीएससी अभ्यर्थियों के समर्थन में बिहार बंद का ऐलान किया। राज्यभर में उनके समर्थकों और छात्रों ने विरोध प्रदर्शन किए। पटना की अशोक राजपथ पर टायर जलाए गए और कई जगहों पर आगजनी की घटनाएं सामने आईं।

पप्पू यादव बीपीएससी परीक्षा को रद्द कर दोबारा कराने की मांग कर रहे हैं। पुलिस ने उन्हें और कई छात्रों को हिरासत में लिया है। पप्पू यादव ने सरकार पर हमला करते हुए कहा, ₹छात्र-विरोधी सरकार का राम-राम सत्य करना है। बिहार की जनता सड़कों पर उतर चुकी है। प्रशांत किशोर पर तीखा हमला करते हुए पप्पू यादव ने कहा, ₹चोर मचाए शोर। प्रशांत किशोर बीजेपी के सबसे बड़े दलाल हैं।₹ प्रशांत किशोर ने भी इससे पहले इसी मुद्दे पर आमरण अनशन किया था और हाल ही में जमानत पर रिहा हुए हैं। आरजेडी सांसद मीसा भारती ने कहा कि ₹रविवार को स्कूल और कॉलेज बंद हैं। यह लोकतांत्रिक देश है, हर किसी को अपने विचार रखने का अधिकार है। 70वीं बीपीएससी की प्रारंभिक परीक्षा 13 दिसंबर 2023 को आयोजित हुई थी। पटना के एक केंद्र पर अनियमितताओं के कारण परीक्षा रद्द हो गई, जिसके बाद से नाराज अभ्यर्थियों ने विरोध प्रदर्शन तेज कर दिया। उनकी मांग है कि पूरी परीक्षा रद्द कर दोबारा आयोजित की जाए। बिहार बंद के दौरान कई जगहों पर तनावपूर्ण हालात बने हुए हैं। आगजनी और प्रदर्शन से आम जनता को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

गर्लफ्रेंड की शादी तय होने पर प्रेमी टावर पर चढ़ा

गोरखपुर। आपने शोले फिल्म का वो सीन तो जरूर देखा होगा, जिसमें बसंती के लिए धर्मेन्द्र पानी की टंकी पर चढ़ जाते हैं। कुछ ऐसा ही सीन यूपी के गोरखपुर जिले में भी देखने को मिला। प्रेम-प्रसंग के चलते देवरिया का एक युवक चौरीचौरा के एक गांव में टावर पर चढ़ गया। युवक अपनी मौसी के गांव की एक युवती से प्रेम करता है। उसकी शादी कहीं और तय हो जाने से नाराज था और गर्लफ्रेंड से शादी की मांग को लेकर टावर पर चढ़ा था।

चार घंटे तक लोग नीचे से उसकी मनुहार करते रहे। काफी मशक्कत के बाद वह नीचे आया तो पुलिस हिरासत में लेकर थाने ले गई। सूरज भारती देवरिया जिले के रामपुर कारखाना थानाक्षेत्र के डुमरी गांव का निवासी है। वह चौरीचौरा क्षेत्र के एक गांव में अपनी मौसी के घर रहकर पढ़ाई करता है और इसी गांव की एक युवती से प्रेम करता है।

उत्तर भारत में मौसम का डबल अटैक

UP समेत इन राज्यों में ठंड के साथ बारिश की चेतावनी

एजेंसी । लखनऊ

उत्तर भारत में मौसम की दोहरी मार पड़ी है। कड़ाके की ठंड के बीच वेस्टर्न डिस्टर्बेंस की वजह से बारिश और आंधी तूफान की भी चेतावनी जारी की गई है। इसके साथ ही, उत्तर पश्चिम भारत में अगले दो से तीन दिनों के दौरान घने से बहुत घना कोहरा पड़ने वाला है।

उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में आज (12 जनवरी) को कई जगह बारिश, आंधी तूफान आ सकता है। साथ ही, बिजली कड़कने की भी चेतावनी जारी की गई है। वहीं, अरुणाचल प्रदेश में 12 और 13 जनवरी, असम, मेघालाय और नगालैंड में 13 जनवरी को हल्की से मध्यम स्तर की बारिश होने जा रही है। साथ ही, श्रीलंका के तटों पर एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना हुआ है, जिसकी वजह से तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल में 12-15 जनवरी, केरल, माहे में 12-16 जनवरी को बारिश होने जा रही है।

मौसम विभाग के अनुसार, उत्तर भारत में एक नया वेस्टर्न डिस्टर्बेंस 14 जनवरी को दस्तक देने जा रहा है, जिसकी वजह से जम्मू कश्मीर, लद्दाख में 16-18 जनवरी, हिमाचल प्रदेश में 15-18 जनवरी, उत्तराखंड में 15-17 जनवरी, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश, दिल्ली में 15 और 16 जनवरी, पूर्वी राजस्थान में 14 और 15 जनवरी, पश्चिमी राजस्थान में 15 जनवरी को बारिश होगी।

इस समय जम्मू कश्मीर, लद्दाख में न्यूनतम तापमान 0 डिग्री से नीचे चल रहा है, जबकि हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड में न्यूनतम तापमान 1-5 डिग्री के बीच बना हुआ है। वहीं, हिमाचल प्रदेश में यह 6-12 डिग्री के बीच है। इसके अलावा, आज मैदानी इलाकों में सबसे कम तापमान बिहार के देहरी में 5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया है।

पिछले 24 घंटे के मौसम की बात करें तो राजस्थान, गुजरात आदि में न्यूनतम तापमान में दो से छह डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विभाग के अनुसार, उत्तर पश्चिम भारत में अगले दो दिनों में न्यूनतम तामपान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आने वाली है। वहीं, मध्य भारत में भी ऐसा ही होगा। इसके अलावा, पश्चिमी भारत के राज्यों में न्यूनतम तापमान में दो से तीन डिग्री सेलसियस की गिरावट रिकॉर्ड की जाएगी। वहीं, पूर्वी भारत की बात करें तो अगले 48 घंटे में न्यूनतम तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होगी।

घने कोहरे की भी चेतावनी

पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ में 12 और 13 और कुछ इलाकों में 14 जनवरी को घने से बहुत घना कोहरा देखने को मिलेगा। उत्तर प्रदेश में 12, 13 जनवरी को बहुत घना कोहरा छाया रहेगा। राजस्थान में 12 जनवरी को बहुत घना कोहरा देखने को मिलेगा। वहीं, यूपी में 14-16 जनवरी को घना कोहरा, उत्तराखंड में 12-14 जनवरी, बिहार, ओडिशा, पश्चिम बंगाल में भी 12 और 13 जनवरी को कोहरे की मार पड़ने वाली है। इसके अलावा, हिमाचल प्रदेश में 12 जनवरी, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, पश्चिमी राजस्थान में 12 और 13 जनवरी, पंजाब में 13 जनवरी को कोल्ड डे की स्थिति देखने को मिलेगी।

महाकुंभ के लिए रेलवे का खास इंतजाम

मकर संक्रांति पर 3,000 स्पेशल ट्रेनें

प्रयागराज। महाकुंभ 2025 को लेकर प्रयागराज रेल मंडल की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। मकर संक्रांति के दिन, 14 जनवरी को पहले राजसी स्नान पर संगम में स्नान करने वाले लगभग 1 करोड़ श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रेलवे ने विशेष प्रबंध किए हैं।

13,000 ट्रेनें चलाने की योजना

महाकुंभ के दौरान 3,000 मेला स्पेशल ट्रेनों के साथ कुल 13,000 ट्रेनों के संचालन की योजना बनाई गई है। यात्रियों को किसी भी तरह की असुविधा से बचाने के लिए प्रवेश, निकास और टिकटिंग की विशेष व्यवस्था होगी।

प्रवेश और निकास का विशेष प्लान

प्रयागराज जंक्शन: सिटी साइड (प्लेटफॉर्म-1) से प्रवेश और सिविल लाइंस साइड से निकास।

नैनी जंक्शन: स्टेशन रोड से प्रवेश और मालगोदाम की ओर निकास।

फाफामऊ स्टेशन: प्लेटफॉर्म-4 से प्रवेश और फाफामऊ बाजार की ओर निकास।

सूबेदारगंज स्टेशन: झलवा रोड से प्रवेश और जीटी रोड की ओर निकास।

रामबाग स्टेशन: हनुमान मंदिर चौराहे से प्रवेश और लाउदर रोड की ओर निकास।

अरबों रुपए की बकायेदारी को लेकर पावर कारपोरेशन ने की बड़ी कार्रवाई

हमीरपुर। हमीरपुर जिले में अरबों रुपये की बकायेदारी को लेकर अब पावर कारपोरेशन ने बड़ी कार्रवाई की है। काफी समय से बकायेदारी की रकम दबाए बैठे 4 हजार लोगों की बिजली गुल कर दी गई है। वहीं पावर कारपोरेशन के अभियंताओं की टीमें शहर से लेकर गांवों तक बकायेदारों की खबर लेने में जुट गई है। हमीरपुर शहर के पावर कारपोरेशन डिवीजन में हमीरपुर नगर के अलावा सुमेरपुर, मौदहा और कुरारा क्षेत्र शामिल है। पावर कारपोरेशन के इस डिवीजन में इक्कीस सब स्टेशन जुड़े है। सरकारी और गैर सरकारी उपभोक्ताओं की भी संख्या एक लाख बीस हजार है। इनमें गैर सरकारी उपभोक्ताओं की संख्या ज्यादा है। पावर कारपोरेशन के अधिशाषी अभियंता डीएन सिंह के मुताबिक 124 करोड़ से अधिक रुपये की बकायेदारी को लेकर

कारपोरेशन की टीमें अभियान चला रही है। सब स्टेशन वार टीमें जाकर बकायेदारों की खबर ले रही है। गांवों में भी बकायेदारी की रिकवरी के लिए टीमें लगाई गई है। आज पावर कारपोरेशन की टीमों ने अधिशाषी अभियंता के नेतृत्व में अभियान चलाकर बड़ी संख्या में बकायेदारों की बिजली गुल की है।

बकायेदारी के लिए पावर कारपोरेशन ने शुरू की ओटीएस योजनाअधिशाषी अभियंता डीएन सिंह ने बताया कि पिछले बारह दिनों से बकायेदारों के लिए एक मुश्त समाधान (ओटीएस) योजना चलाई जा रही है। इसमें अभी तक 4 हजार से अधिक रजिस्ट्रेशन हो चुके है।

ओटीएस में रजिस्ट्रेशन के दौरान बकायेदारों से बकायेदारी का तीस फीसदी धनराशि जमा कराई गई है। बताया कि अभी तक डेढ़ करोड़ से अधिक की धनराशि जमा भी कराई गई है। अरबों रुपये की बकायेदारी पर हजारों बकायेदारों की अब बिजली गुलअरबों रुपये की बकायेदारी को लेकर अब पावर कारपोरेशन हमीरपुर ने बड़ी कार्रवाई भी शुरू कर दी है।

सर्राफा व्यापारी मर्डर केस में बड़ा खुलासा

एजेंसी । सहारनपुर

उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में सर्राफा व्यापारी सेवाराम की हत्या के मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। इस ब्लाइंड मर्डर मिस्ट्री का मास्टरमाइंड एक दांतों का डॉक्टर निकला। डॉक्टर ने महिला और अपने दो साथियों के साथ मिलकर व्यापारी की गला दबाकर हत्या कर दी। पुलिस ने डॉक्टर और उसके दो साथियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि महिला फरार है।

6 जनवरी को मंडी थाना इलाके की खटीकों वाली गली में सेवाराम का शव उनके घर में संदिग्ध हालत में मिला था। गले पर चोट के निशान और घर का बिखरा सामान देखकर पुलिस ने लूटपाट के बाद हत्या की आशंका जताई। जांच में सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस ने तीन आरोपियों को एक आम के बाग से गिरफ्तार कर लिया।

मास्टरमाइंड डॉक्टर का प्लान

गिरफ्तार आरोपी मसूद उर्फ डीसी महबूब ने खुलासा किया कि वह सेवाराम को लंबे समय से जानता था। उसे पता था कि सेवाराम अकेले रहते हैं और उनके पास हमेशा नकदी व जेवरात रहते हैं। उसने अपने दो साथियों अमित रोहिला और शान अली के साथ लूट की साजिश रची।

महिला की भूमिका

प्लान में देहरादून की आशा चावला नाम की महिला को शामिल किया गया। 5 जनवरी को महबूब, आशा और दोनों साथी सेवाराम के घर पहुंचे। पहले सभी ने खाना खाया और फिर मसाज के बहाने सेवाराम की गला दबाकर हत्या कर दी। घर से सोने-चांदी के जेवर और नकदी लेकर वे फरार हो गए।

गिरफ्तारी और बरामदगी

पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से 10 किलो चांदी, 4 किलो सोना और 1.2 लाख नकदी बरामद की। पुलिस ने बताया कि आशा को उसका हिस्सा देकर देहरादून भेज दिया गया था। फिलहाल वह फरार है।

एसपी का बयान

सहारनपुर एसपी सिटी व्योम बिंदल ने बताया कि मृतक सेवाराम का काम सोने-चांदी के जेवरों पर ब्याज पर पैसे देने का था। घटना वाले दिन सेवाराम ने अपने बेटे को फोन कर बताया था कि वह रात का खाना नहीं खाएंगे। अगले दिन उनका शव मिला। पुलिस ने तेजी से कार्रवाई कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। महिला की तलाश जारी है।

व्यापार जगत

उत्तराखंड में निवेश की बड़ी संभावनाएं: सीएम धामी का बयान

देहरादून। अंतरराष्ट्रीय प्रवासी उत्तराखंडी सम्मेलन के पहले सत्र में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि विदेशों में रहने वाले प्रवासी उत्तराखंडी राज्य के लिए सशक्त ब्रांड एंबेसडर हैं और वैश्विक मंच पर राज्य की पहचान को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। उन्होंने प्रवासी उत्तराखंडियों की सक्रिय भागीदारी को प्रदेश के विकास में सुनिश्चित करने के लिए सरकार की निरंतर कोशिशों की बात की।

थाइलैंड के ब्रॉस्टेन ग्रुप के अध्यक्ष डॉ. एके काला ने कहा कि वह अब भारत में मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट खोलने की योजना बना रहे हैं, और उत्तराखंड को प्राथमिकता देंगे। उनका उद्देश्य उत्तराखंड में ऑयल एंड गैस सेक्टर के लिए उपकरण तैयार कर वैश्विक बाजार में सप्लाई करना है।

नवाचार और स्टार्टअप

कुनाल उनियाल ने लंदन से लौटकर उत्तराखंड में एआई आधारित शिपिंग ट्रांसपोर्ट स्टार्टअप की शुरुआत की है, जिसमें कई निवेशक भी जुटे हैं। उन्होंने ₹मेक इन उत्तराखंड₹ पर जोर दिया।

राजेश गुनसोला ने बताया कि वह टिहरी जिले में हाइड्रो प्रोजेक्ट संचालित कर रहे हैं, और सोलर प्रोजेक्ट की योजना भी बना रहे हैं।

समाज में योगदान

डॉ. काला ने उत्तराखंड के खाली गांवों को फिर से आबाद करने के लिए सरकार को एक गांव गोद लेने का प्रस्ताव दिया और 70 साल से ऊपर की महिलाओं के लिए भी मदद का ऐलान किया।

सिंगापुर से आई मंडला ग्लोबल की संस्थापक मीनाक्षी अरोड़ा डबराल ने उत्तराखंड की महिला उद्यमियों को ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर अपने उत्पाद उपलब्ध कराने का प्रयास किया है और राज्य सरकार द्वारा तैयार हाउस ऑफ हिमालयाज ब्रांड की सराहना की।

जलमार्गों के लिए 50,000 करोड़ के निवेश का किया स्वागत

गुवाहाटी। भारतीय वाणिज्य मंडल (आईसीसी) ने रविवार को अंतर्देशीय जलमार्ग विकास परिषद के निर्णय का स्वागत किया, जिसमें राष्ट्रीय जलमार्गों के बुनियादी ढांचे के विकास के लिए पांच वर्षों में 50,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश का प्रस्ताव है। आईसीसी के चेयरमैन (एनईआर) महेश कुमार सहारिया ने बयान में कहा, ₹यह कदम अंतर्देशीय जलमार्ग नेटवर्क की स्थिति को और मजबूत करेगा, और क्षेत्रीय संपर्क तथा व्यापार को बेहतर बनाएगा।₹ उन्होंने आगे कहा कि 21 नई अंतर्देशीय जलमार्ग परियोजनाओं का शुभारंभ सरकार की जलमार्ग बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। सहारिया ने यह भी उल्लेख किया कि पिछले दशक में लगभग 7,000 करोड़ रुपये के निवेश से जलमार्गों ने माल और यात्रियों के परिवहन के एक विश्वसनीय और किफायती साधन के रूप में अपनी पहचान बनाई है।

एयर इंडिया ने अधिक प्रीमियम सीटें जोड़ने की योजना बनाई

नई दिल्ली। एयरलाइन कंपनी एयर इंडिया 'वृद्धि के विशाल अवसरों' का लाभ उठाने के लिए अपने विमानों में प्रीमियम किफायती और व्यापारिक श्रेणी की सीटों की संख्या बढ़ाएगी। कंपनी अधिक कनेक्टिंग यातायात ले जाने के लिए उड़ान समय को पुनः व्यवस्थित करेगी तथा मनचाही क्षमता का उपयोग करने के लिए नेटवर्क को युक्तिसंगत बनाएगी। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, जनवरी, 2022 से घाटे में चल रही एयर इंडिया का संचालन कर रहे टाटा समूह ने अपने एयरलाइन कारोबार को एकीकृत किया है और एयर इंडिया समूह का राजस्व वित्त वर्ष 2019-20 में एक अरब डॉलर से भी कम

की तुलना में लगभग 10 गुना होकर अब लगभग 10 अरब डॉलर हो गया है। एयर इंडिया समूह प्रतिदिन 1,168 उड़ानें संचालित करता है, जिसमें अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए 313 सेवाएं शामिल हैं। इन विदेशी उड़ानों में से 244 छोटी दूरी की और 69 लंबी दूरी की हैं।आम तौर पर, छोटी दूरी की उड़ानों की अवधि पांच घंटे तक होती है, और पांच से आठ घंटे की अवधि वाली उड़ानें लंबी दूरी की होती हैं।

एयर इंडिया के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी (सीसीओ) निपुण अग्रवाल ने कहा कि चाहे प्रीमियम किफायती हो या वाणिज्यिक, यातायात बढ़ गया है और 'हम काफी तेजी देख रहे हैं।'

रुपए में गिरावट से एयर इंडिया की लागत संरचना पर दबाव

नई दिल्ली। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में गिरावट से एयर इंडिया की लागत संरचना और लाभप्रदता पर दबाव बढ़ा है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, एयरलाइन के पास कुछ बचाव उपाय हैं क्योंकि वह अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए अधिक किराया ले सकती है, जिनमें टिकटों की कीमत विदेशी मुद्राओं में होती है।

हाल के सप्ताहों में रुपये की गिरावट जारी रही और 10 जनवरी को यह 86.04 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया। कमजोर रुपये के कारण

एयरलाइन कंपनियों का परिचालन खर्च बढ़ा है, क्योंकि उनकी अधिकांश लागत डॉलर में होती है। एयर इंडिया के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी निपुण अग्रवाल ने बताया, "रुपये में गिरावट से हमारी लागत संरचना पर दबाव पड़ता है क्योंकि अधिकांश लागत डॉलर में है, सिवाय मानव संसाधन लागत के जो स्थानीय मुद्रा में होती है। रुपये में जितनी गिरावट होगी, लाभप्रदता पर उतना ही अधिक दबाव पड़ेगा।"

एयर इंडिया समूह प्रतिदिन 1,168 उड़ानें संचालित करता है, जिसमें अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए 313 सेवाएं शामिल हैं। इनमें से 244 छोटी दूरी की और 69 लंबी दूरी की उड़ानें हैं। अग्रवाल ने यह भी कहा कि एयरलाइन के पास प्राकृतिक बचाव है, क्योंकि वह अन्य एयरलाइनों से अधिक अंतरराष्ट्रीय उड़ानें संचालित करती है।

बजट 2025: बिजनेस को बढ़ावा देने के लिए सीआईआई ने पेश किए सुझाव

नई दिल्ली। भारत सरकार वित्त वर्ष 2025-26 के बजट को 1 फरवरी को पेश करने जा रही है, जिसमें कई महत्वपूर्ण सेक्टर्स को लेकर निर्णय लिए जा सकते हैं। इस बीच, कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (CII) ने बिजनेस को बढ़ावा देने और उसे और आसान बनाने के लिए सरकार के सामने सुझाव रखे हैं, जिनका बजट में समावेश हो सकता है।

एक पोर्टल पर हो रजिस्ट्रेशनः CII ने सरकार से अनुरोध किया है कि बिजनेस के लिए सभी स्तरों (केंद्रीय, राज्य और स्थानीय) पर एक समान रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया हो। इसके लिए NSWS (National Single Window System) का इस्तेमाल किया जाए, जिससे पूरे सिस्टम में पारदर्शिता आएगी। यह प्रक्रिया छह महीने के भीतर केंद्रीय मंत्रालयों द्वारा पूरी करने की अपील की गई है, और राज्य स्तर पर इसे लागू करने के लिए अलग से बजट पेश करने की मांग की गई है।

बिजनेस को आसान बनानाः CII के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने कहा कि बिजनेस करने के तरीके को आसान बनाने और उसकी गैर-जरूरी रुकावटों को दूर करने पर ध्यान देना चाहिए। यह सुधार भूमि, श्रम, और करों के भुगतान जैसे क्षेत्रों में किया

जा सकता है, जिससे देश के आर्थिक विकास में तेजी आएगी।

शिकायतों का शीघ्र निपटाराः CII ने सरकार से यह भी सुझाव दिया है कि बिजनेस से जुड़ी शिकायतों का जल्द निपटारा करने के लिए कानून बनाया जाए, ताकि अधिकारियों पर दबाव डाला जा सके और समय पर सेवाएं प्रदान की जाएं।अल्टरनेटिव डिस्प्यूट रेसोल्यूशन (ADR) को बढ़ावाः CII ने यह भी कहा है कि सरकार को अदालतों की क्षमता बढ़ाने और ADR सिस्टम को प्रोत्साहित करने पर ध्यान देना चाहिए, जिससे विवादों का त्वरित समाधान संभव हो सके। साथ ही, राष्ट्रीय न्यायिक डेटा ग्रिड पर भी काम करने की सलाह दी गई है। पर्यावरण नियमों का समेकनः CII ने केंद्र सरकार से पर्यावरण से संबंधित सभी नियमों को एक मंच पर लाकर उन्हें एकीकृत करने की सलाह दी है, ताकि बिजनेस के लिए इन नियमों का पालन करना और भी आसान हो सके।

IPL 2025 की तारीख का ऐलान

एजेंसी । नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2025 के सीजन का बेसब्री से इंतजार कर रहे क्रिकेट प्रशंसकों के लिए बड़ी खबर आ गई है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने 12 जनवरी को ऐलान किया कि इस साल आईपीएल का आगाज 23 मार्च से होगा। यह फैसला बीसीसीआई की विशेष आम बैठक (AGM) में लिया गया।

नया सीजन, नई शुरुआत

IPL 2025 के सीजन की शुरुआत 23 मार्च से होगी। हालांकि, सीजन का पहला मुकाबला किन दो टीमों के बीच खेला जाएगा, इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। राजीव शुक्ला ने बताया कि AGM में कोषाध्यक्ष और सचिव का चयन प्राथमिक मुद्दा था। साथ ही, आईपीएल कमीशनर की नियुक्ति भी अगले एक साल के लिए की गई है। महिला प्रीमियर लीग (WPL) के वेन्यू भी तय हो गए हैं, और उनके आधिकारिक ऐलान की उम्मीद जल्द की जा रही है।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए टीम चयन का अपडेट

टीम इंडिया के चयन को लेकर भी अहम जानकारी सामने आई है। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए अब तक भारतीय टीम का ऐलान नहीं हुआ है। राजीव शुक्ला ने बताया कि 18 या 19 जनवरी को चयन समिति की बैठक होगी। इसके बाद ही टीम की घोषणा संभव है।

पिछले सीजन की झलक

पिछले साल आईपीएल की शुरुआत 22 मार्च को हुई थी, जहां आरसीबी और सीएसके के बीच पहला मैच खेला गया था। फाइनल मुकाबला 26 मई को केकेआर और हैदराबाद के बीच हुआ, जिसमें केकेआर ने खिताब जीतते हुए तीसरी बार चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। इस बार फाइनल मुकाबले के केकेआर के होम ग्राउंड ईडन गार्डन्स स्टेडियम में आयोजित होने की संभावना है।

रोहित और विराट की मनमानी पर लगाम

एजेंसी । नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट में हाल ही के निराशाजनक प्रदर्शन ने बड़ा सवाल खड़ा किया है। न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मिली हार के बाद कप्तान रोहित शर्मा और कोच गौतम गंभीर आलोचनाओं के घेरे में हैं। शनिवार, 11 जनवरी को मुंबई में बीसीसीआई की उच्च स्तरीय मीटिंग हुई, जिसमें प्रदर्शन की समीक्षा और भविष्य की रणनीतियों पर चर्चा हुई। हालांकि, कप्तान और कोच के भविष्य को लेकर कोई बड़ा फैसला नहीं हुआ, लेकिन खिलाड़ियों के लिए कड़े दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

गंभीर की मांग के बाद BCCI की सख्ती

BCCI के नए नियम

- **डॉमेस्टिक क्रिकेट अनिवार्य**
अब सभी सीनियर और जूनियर खिलाड़ियों को रणजी ट्रॉफी जैसे घरेलू टूर्नामेंट खेलने होंगे।
- **सीरीज ब्रेक पर सख्ती :**
खिलाड़ी अपनी मर्जी से किसी सीरीज से बाहर नहीं हो सकेंगे। ब्रेक लेने के लिए वैध मेडिकल प्रमाण देना होगा।
- **रेड बॉल क्रिकेट पर जोर :**
कोच गंभीर ने साफ कर दिया है कि टेस्ट क्रिकेट में बने रहने के लिए घरेलू क्रिकेट खेलना जरूरी है।
- **भविष्य की रणनीति :**
मीटिंग में चैंपियंस ट्रॉफी को ध्यान में रखते हुए तुरंत बड़े बदलाव नहीं किए गए हैं। लेकिन बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि खिलाड़ियों की मनमर्जी अब नहीं चलेगी।

क्या बदलाव लागू होंगे?

अगर बीसीसीआई अपने निर्देशों को सख्ती से लागू करता है, तो रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गजों को घरेलू क्रिकेट में लौटना होगा। सवाल यही है कि क्या बोर्ड इस सख्ती को सही तरीके से लागू कर पाएगा या यह केवल कागजी कार्रवाई बनकर रह जाएगी?

इरा जाधव ने रचा इतिहास

वनडे में तिहरा शतक, मुंबई की टीम ने बनाए 563 रन

एजेंसी । नई दिल्ली

14 वर्षीय इरा जाधव ने विमेंस अंडर-19 वनडे ट्रॉफी में इतिहास रचते हुए मेघालय के खिलाफ नाबाद 346 रन बनाए। बेंगलुरु के अलूर स्टेडियम में खेली गई इस पारी में इरा ने 42 चौके और 16 छक्के लगाकर 157 गेंदों में ये स्कोर खड़ा किया। उनके धमाकेदार प्रदर्शन की बदौलत मुंबई की टीम ने 563 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया।

स्मृति मांधना का रिकॉर्ड तोड़ा

इससे पहले अंडर-19 वनडे में भारत के लिए सबसे बड़ी पारी का रिकॉर्ड स्मृति मांधना (224 रन) के नाम था। इरा ने 138 गेंदों में तिहरा शतक पूरा करते हुए यह रिकॉर्ड तोड़ा। इसके साथ ही वह अंडर-19 वनडे ट्रॉफी में तिहरा शतक जड़ने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गईं।

हर्ली गाला का भी शानदार प्रदर्शन

इरा के अलावा कप्तान हर्ली गाला ने भी 79 गेंदों में 116 रनों की शानदार पारी खेली। उनकी पारी में 14 चौके और 1 छक्का शामिल था। इरा जाधव को आगामी अंडर-19 महिला टी20 वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम में स्टैंडबाई खिलाड़ी के तौर पर चुना गया है। उनके इस ऐतिहासिक प्रदर्शन ने भारतीय क्रिकेट में नई उम्मीदें जगा दी हैं।

BCCI के नए सचिव बने देवजीत साइकिया

एजेंसी । नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने अपने नए सचिव के रूप में देवजीत साइकिया को चुना है। उनकी नियुक्ति की घोषणा 12 जनवरी को विशेष आम बैठक (SGM) के बाद हुई। यह पद दिसंबर 2024 में जय शाह के आईसीसी चेयरपर्सन बनने के बाद से खाली था। संविधान के अनुसार 45 दिनों के भीतर इस पद को भरा जाना था। साइकिया का चुनाव निर्विरोध हुआ, क्योंकि उनके खिलाफ कोई और उम्मीदवार खड़ा नहीं हुआ। वहीं, प्रभतेज भाटिया को BCCI का कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

क्रिकेट से प्रशासन तक का सफर

साइकिया ने 2014 में असम क्रिकेट एसोसिएशन (ACA) में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई जीतकर प्रशासन में अपनी जगह बनाई। 2016 में वे ACA के वाइस प्रेजिडेंट बने और 2019 में सचिव का पद संभाला। 2022 में उन्हें BCCI का जॉइंट सेक्रेटरी चुना गया। दिसंबर 2024 में जय शाह के ICC चेयरपर्सन बनने के बाद, साइकिया को अंतरिम सचिव की भूमिका सौंपी गई। अब वे औपचारिक रूप से BCCI के सचिव पद को संभालेंगे।

अद्वितीय योग्यता

साइकिया न केवल क्रिकेट बल्कि कानूनी क्षेत्र में भी दक्ष हैं। 1997 में उन्होंने गुवाहाटी हाई कोर्ट में वकालत शुरू की और 2021 में असम के एडवोकेट जनरल बने। देवजीत साइकिया की यह नियुक्ति न केवल क्रिकेट प्रशासन में उनके अनुभव को दर्शाती है, बल्कि उनके नेतृत्व में BCCI को नई दिशा मिलने की संभावना है।

असम से निकले साइकिया की क्रिकेट यात्रा

56 वर्षीय देवजीत साइकिया का जन्म अप्रैल 1969 में असम के गुवाहाटी में हुआ। उन्हें 'लोन' के नाम से भी जाना जाता है। एक पूर्व प्रथम श्रेणी क्रिकेटर के रूप में साइकिया ने असम के लिए रणजी ट्रॉफी में चार मैच खेले। वे विकेटकीपर और मिडल ऑर्डर बल्लेबाज रहे। साइकिया ने 1984 में जूनियर स्तर पर CK नायडू ट्रॉफी के जरिए अपनी पहचान बनाई। 1987 में विजय हजारे ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन के बाद वे सीनियर ईस्ट जोन टीम में चुने गए और सौरव गांगुली जैसे खिलाड़ियों के साथ खेले। हालांकि, 21 साल की उम्र में पढ़ाई के लिए उन्होंने क्रिकेट छोड़ दिया और वकालत में करियर बनाया।

विजय हजारे ट्रॉफी: सेमीफाइनल में पहुंची विदर्भ

करुण नायर ने जड़ा टूर्नामेंट का पांचवा शतक

एजेंसी । नई दिल्ली

बीसीसीआई द्वारा आयोजित विजय हजारे ट्रॉफी के क्वार्टरफाइनल मुकाबले में विदर्भ ने राजस्थान को 9 विकेट से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। इस टूर्नामेंट में शानदार लय में चल रहे विदर्भ के कप्तान करुण नायर ने नाबाद शतकीय पारी खेलते हुए टीम को जीत दिला दी। वहीं करुण नायर के साथ ध्रुव शोरे ने भी शतकीय पारी खेली। बुधवार को खेले जाने वाले सेमीफाइनल में हरियाणा का सामना कर्नाटक से होगा जबकि बृहस्पतिवार को दूसरे सेमीफाइनल में विदर्भ की टीम महाराष्ट्र से भिड़ेगी।

नायर ने 82 गेंद में 13 चौके और पांच छक्कों की मदद से नाबाद 112 रन की पारी के साथ पिछले पांच मैचों में अपना चौथा शतक पूरा किया। उन्होंने दूसरे विकेट के लिए टीम के एक अन्य शतकवीर ध्रुव

शोरे (नाबाद 122 रन) के साथ 200 रन की अटूट साझेदारी की जिससे विदर्भ ने 43.3 ओवर में एक विकेट के नुकसान पर जीत के लिए मिले 292 रन के लक्ष्य को आसानी से हासिल कर लिया। शोरे ने 131 गेंद की नाबाद पारी में 10 चौके और तीन छक्के लगाए। शोरे ने यश राठौड़ (39) के साथ पहले विकेट के लिए 92 रन की साझेदारी कर टीम को शानदार शुरुआत दिलाई थी। नायर ने क्रीज पर आते ही आत्मविश्वास से भरे शॉट खेलकर राजस्थान के गेंदबाजों को परेशान किया। 33 साल के नायर मौजूदा सत्र के आठ मैचों 664 रन बना चुके हैं और सिर्फ एक बार आउट हुए है। नायर ने लिस्ट ए स्तर पर लगातार चार शतक लगाकर कर्नाटक के पूर्व साथी देवदत्त पडिक्कल, श्रीलंका के पूर्व कप्तान कुमार संगकारा और दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज अलविरो पीटरसन की बराबरी की। लिस्ट ए में लगातार मैचों में सबसे ज्यादा शतक लगाने का मौजूदा रिकॉर्ड नारायण जगदीसन के नाम पर है, जिन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी के 2021-22 सत्र में लगातार पांच शतक लगाए। इससे पहले राजस्थान के बल्लेबाज अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में बदलने में नाकाम रहे। कार्तिक शर्मा (61 गेंद में 62 रन), शुभम गढ़वाल (59 गेंद में 59) ने अर्धशतकीय पारियां खेली जबकि कप्तान दीपक हुड्डा ने 49 गेंद में 45 और कप्तान महिपाल लोमरोर ने 45 गेंद में 32 रन का योगदान दिया।

बेवजह क्रिटिसाइज की जाती है अफ्रीकी टीमः डिविलियर्स

एजेंसी । नई दिल्ली

दक्षिण अफ्रीकी टीम टेस्ट में शानदार खेल खेलते हुए वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंच गई है। जहां टीम का मुकाबला पिछली बार की विजेता टीम ऑस्ट्रेलिया से होना है। इस मुकाबले के लिए अफ्रीकी टीम जमकर प्रैक्टिस कर रही है। ऐसे में अब टीम के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स का मानना है कि दक्षिण अफ्रीकी टीम को पिछले कुछ वर्षों में अनुचित आलोचना का सामना करना पड़ा है, लेकिन

इसके बाद भी टीम डब्ल्यूटीसी में कामयाब रही है। दक्षिण अफ्रीका की टीम ने घरेलू सरजमीं पर भारत के खिलाफ दो मैचों की श्रृंखला ड्रॉ कराई, लेकिन ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड जैसी अन्य प्रमुख टेस्ट टीमों से नहीं खेली। डिविलियर्स ने यहां पत्रकारों से कहा, ''मुझे लगता है कि पिछले कुछ वर्षों में दक्षिण अफ्रीका की अनुचित आलोचना हुई है। आपको टीम के बारे में राय देने से पहले पिछले तीन से पांच वर्षों में हुए सभी बदलावों को ध्यान में रखना होगा। उन्होंने कहा, ''कई अनुभवी खिलाड़ी संन्यास ले रहे हैं। कोचिंग स्टाफ में काफी बदलाव हुआ है। टीम में कई बदलाव हुए हैं तथा कई नई चेहरे टीम से जुड़े हैं। दो नए कोच शुक्री कॉनराड टेस्ट टीम और रोब वाल्टर सीमित ओवरों की टीम का संचालन कर रहे हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए अफगानिस्तान की टीम घोषित

एजेंसी । काबुल

अफगानिस्तान ने 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम का ऐलान किया है। सभी मैच पाकिस्तान में खेले जाएंगे। हशमतुल्लाह शाहिदी को कप्तान बनाया गया है। अफगानिस्तान ने पिछले साल पुरुष टी20 विश्व कप और 2023 आईसीसी क्रिकेट विश्व कप में शानदार प्रदर्शन किया था। टीम में इब्राहिम जादरान की वापसी हुई है, जो एक साल बाद घुटने की चोट से खेल रहे हैं। मुजीब उर रहमान

को टीम में जगह नहीं मिली। इस बार सेदिकुल्लाह अटल और एएम गजनफर को पहली बार राष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया है। टीम में राशिद खान और मोहम्मद नबी स्पिन गेंदबाजी का जिम्मा संभालेंगे, जबकि फजलहक फारूकी तेज गेंदबाजी में प्रमुख भूमिका निभाएंगे।

अफगानिस्तान की टीम

हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), इब्राहिम जादरान, रहमानुल्लाह गुरबाज, सेदिकुल्लाह अटल, रहमत शाह, इकराम अलीखिल, गुलबदीन नायब, अजमतुल्लाह उमरजई, मोहम्मद नबी, राशिद खान, एएम गजनफर, नूर अहमद, फजलहक फारूकी, फरीद मलिक, नावेद जादरान।
रिजर्व: दरविश रसूली, नांग्याल खरोती, बिलाल सामी।

जेमिमा रोड्रिग्स के शतक से भारतीय महिला टीम की 116 रन से जीत

एजेंसी । राजकोट

भारतीय महिला टीम ने आयरलैंड को 116 रनों से हराकर तीन मैचों की वनडे सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली। इस मैच में जेमिमा रोड्रिग्स ने वनडे करियर का पहला शतक जड़ा और भारतीय टीम ने अपना हाईएस्ट स्कोर भी दर्ज किया। भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट पर 370 रन बनाए। जेमिमा ने 91 गेंदों में 102 रन बनाकर महत्वपूर्ण साझेदारी की, जिसमें हरलीन देयोल के साथ 183 रन की साझेदारी रही।
आयरलैंड ने 50 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 254 रन बनाए।

क्रिस्टिना कूल्टर रीली ने 80 रन की पारी खेली, लेकिन आयरिश टीम कभी भी लक्ष्य के करीब नहीं पहुंच सकी। भारतीय गेंदबाजों में दीप्ति शर्मा और प्रिया मिश्रा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए क्रमशः तीन और दो विकेट चटकाए।

सलमान और मुझे साथ काम करने के कई मौके मिले

एक्ट्रेस और बीजेपी सांसद कंगना रनौत इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म इमरजेंसी के प्रमोशन में बिज़ी हैं। इस दौरान कंगना लगातार इंटरव्यूज़ दे रही हैं। कंगना हिंदी फिल्म इंडस्ट्री और इसके कई कलाकारों पर अक्सर बरसती नज़र आती हैं। अब एक इंटरव्यू में कंगना ने सलमान खान को लेकर बात की है। उन्होंने सलमान खान को अपना अच्छा दोस्त बताया है। कंगना ने इस दौरान इस बात का भी खुलासा किया कि कई बार ऐसा हुआ जब वो और सलमान साथ काम करने वाले थे, लेकिन अंत में बात बन नहीं पाई।

कंगना ने ठुकराया सलमान का ऑफर

कुछ वक्त पहले कंगना रनौत ने सिद्धार्थ कन्नन को दिए इंटरव्यू में खुद बताया था कि सलमान ने उन्हें बजरंगी भाईजान और सुल्तान जैसी फिल्मों में अच्छे रोल ऑफर किए थे, पर उन्होंने करने से मना कर दिया था। उन्होंने कहा था, 'सलमान ने मुझे बजरंगी भाईजान में रोल दिया था, मैंने कहा, ये क्या रोल दिया है। फिर उन्होंने मुझे सुल्तान के लिए अप्रोच किया था। मैंने उसे भी नहीं लिया। वो कहने लगे कि अब मैं आपको और क्या ऑफर करूं।'

सलमान, कंगना से कैसे पेश आते हैं?

कंगना ने बताया था कि भले ही उन्होंने सलमान के ऑफर को ठुकरा दिया था, लेकिन सलमान उनसे हमेशा अच्छे से पेश आते हैं। उन्होंने कहा था, 'सलमान बहुत अच्छे हैं। वो मुझसे बात करते रहते हैं। वो इमरजेंसी देखने के लिए भी एक्साइटेड हैं। हमारा एक कॉमन फ्रेंड है, उन्होंने उसे भेजा और कहा 'तुम जाओ और देखो उन्होंने कैसी फिल्म बनाई है'। उन्होंने मुझे फोन किया और कहा कि ये एक अच्छी फिल्म है।

अक्षय कुमार स्टारर फिल्म 'भूत बंगला' में तब्बू की एंट्री, शूटिंग शुरू

बॉलीवुड फैंस के लिए खुशखबरी है, क्योंकि मशहूर एक्ट्रेस तबू अक्षय कुमार की मच अवेटेड हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'भूत बंगला' का हिस्सा बन गई हैं। इस बात की घोषणा खुद अक्षय कुमार ने सोशल मीडिया पर जयपुर में परेश रावल के साथ एक तस्वीर शेयर करते हुए की है। साथ ही इस खबर को सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए तब्बू ने हिंट देते हुए कैप्शन में लिखा है, रहम यहां बंद हैं।र 'भूत बंगला' में हंसी और डर का मजेदार मिक्स देखने को मिलेगा, जैसे अक्षय कुमार ने अपनी पिछली फिल्मों 'भूल भुलैया' और 'लक्ष्मी' में किया था। तबू, जो अपने दमदार एक्टिंग के लिए मशहूर हैं, जैसे 'अंधाधुन' और 'हैदर', उम्मीद है कि वो इस फिल्म में कुछ नया और खास जोड़ेंगी।

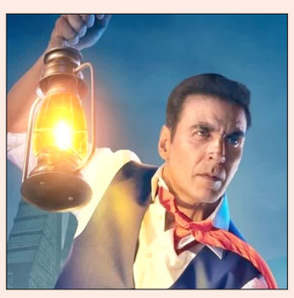

तबू का इस प्रोजेक्ट में आना फिल्म के लिए उम्मीदों को और बढ़ा रहा है। फैंस ये जानने के लिए उत्साहित हैं कि अक्षय कुमार के साथ उनका स्क्रीन पर तालमेल कैसा होगा। इंडस्ट्री के जानकारों का कहना है कि 'भूत बंगला' इस साल की बेहतरीन फिल्मों में से एक होने वाली है, जो शानदार परफॉर्मेंस और एक दिलचस्प स्क्रिप्ट का बेहतरीन मेल है। प्रियदर्शन के निर्देशन में बन रही फिल्म भूत बंगला को शोभा कपूर, एकता आर कपूर और अक्षय कुमार के प्रोडक्शन हाउस 'केप ऑफ गुड फिल्म्स' के बैनर तले प्रोड्यूस किया गया है। फिल्म के को-प्रोड्यूसर्स फारा शेख और वेदांत बाली हैं, और यह बालाजी टेलीफिल्म्स के बैनर तले प्रोड्यूस की गई है। इसकी कहानी आकाश ए कौशिक ने लिखी है, जबकि स्क्रीनप्ले रोहन शंकर, अबिलाश नायर और प्रियदर्शन ने तैयार किया है। फिल्म के डायलॉग्स रोहन शंकर ने लिखे हैं। भूत बंगला 2 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है
महाकुंभ प्रयागराज 2025

न्यूज़ ब्रीफ

ओडिशा में गश्ती जहाज पर बीच समंदर में हमला

केंद्रपाड़ा। ओडिशा के केंद्रपाड़ा इलाके में एक वन अधिकारी ने रविवार को बताया कि मछली पकड़ने वाले ट्रॉल के चालक दल ने ओडिशा के गहिरमाथा समुद्री अभयारण्य के प्रतिबंधित समुद्री जल में गश्ती जहाज पर कथित तौर पर हमला किया। अधिकारी ने बताया कि हमला कथित तौर पर चालक दल की तरफ से पहले से ही योजनाबद्ध था, जो बाबूबली तट के पास अवैध रूप से मछली पकड़ रहे थे। पुलिस ने बताया कि उन्होंने वन गश्ती जहाज को डुबोने की कोशिश की।

प्रिंसिपल ने छात्रा से किया दुष्कर्म

भरूच। गुजरात के भरूच में पूर्व छात्र सम्मेलन के दौरान स्कूल प्रिंसिपल द्वारा पूर्व छात्रा से दुष्कर्म किया गया। पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस निरीक्षक वीएस वंजारा ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता ने बताया कि प्रिंसिपल कमलेश रावल ने पहले भी उसका यौन उत्पीड़न किया था। तब वह 2021-22 में निजी स्कूल की 10वीं कक्षा की छात्रा थी। उसने पहले की घटना की रिपोर्ट नहीं की, क्योंकि आरोपी ने उसे चुप रहने की धमकी दी थी। प्रिंसिपल ने 1 दिसंबर, 2024 को छात्रा के साथ फिर दुष्कर्म किया। घटना के दिन वह पूर्व छात्र सम्मेलन में भाग लेने के लिए स्कूल गई थी। पीड़िता ने घटना के बारे में परिजनों को बताया।

खाई में गिरी यात्रियों से भरी बस, 5 की मौत

पौड़ी गढ़वाल। पौड़ी गढ़वाल जिले में एक बस पलटकर 100 मीटर गहरी खाई में गिर गई। इस हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई है जबकि 17 लोग घायल बताए जा रहे हैं। घायलों को तुरंत पास के अस्पताल ले जाया गया जहां उनका इलाज चल रहा है। जानकारी के मुताबिक यह हादसा पौड़ी में केंद्रीय विद्यालय की ओर जाने वाले मार्ग पर हुआ है जहां बस अनियंत्रित होकर 100 मीटर नीचे खाई में गिर गई। दुर्घटना की सूचना मिलने पर एसडीआरएफ और पुलिस की टीमें तुरंत मौके पर पहुंच गई और राहत बचाव कार्य शुरू किया। घटना पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दुख जताते हुए कहा, पौड़ी में केंद्रीय विद्यालय की ओर जाने वाले मार्ग पर बस के दुर्घटनाग्रस्त होने से चार यात्रियों के निधन का अत्यंत दुःखद समाचार प्राप्त हुआ। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगतों की आत्मा को श्रीचरणों में स्थान एवं शोक संतप्त परिजनों को यह कष्ट सहन करने की शक्ति प्रदान करें। स्थानीय प्रशासन द्वारा राहत और बचाव कार्य जारी है एवं घायलों का नजदीकी चिकित्सालय में उपचार किया जा रहा है। बाबा केदार से घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं।

दिव्य महाकुंभ 2025

रेलवे ने की भव्य तैयारियां

1186 सीसीटीवी और विशेष वार रुम की व्यवस्था

एजेंसी । प्रयागराज

महाकुंभ 2025 के ऐतिहासिक आयोजन के लिए भारतीय रेलवे ने यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रयागराज के 9 प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर 1186 सीसीटीवी कैमरों की स्थापना और रेलवे बोर्ड में एक विशेष वार रूम की व्यवस्था की है।

संरचनात्मक विकास कार्य

- प्रयागराज-वाराणसी मार्ग की डबलिंग की गई है और नए पुल का निर्माण किया गया है।
- प्रयागराज क्षेत्र में 7 नए प्लेटफार्म बनाए गए हैं।
- हर स्टेशन पर यात्रियों की सुरक्षा के लिए मेडिकल सुविधाएं उपलब्ध हैं।

श्रद्धालुओं की अभूतपूर्व संख्या

13 जनवरी से 26 फरवरी 2025 तक आयोजित होने वाले इस महाकुंभ में 40 करोड़ श्रद्धालुओं के शामिल होने की उम्मीद है। रेलवे ने इस आयोजन को दिव्य और भव्य बनाने के लिए हर संभव प्रयास किया है।

सजावट और विशेष प्रबंध

रेलवे ने स्टेशनों को महाकुंभ की थीम पर आधारित भव्य पेंटिंग और सजावट से सजाया है। स्नान पर्वों के लिए विशेष गाड़ियों की भी व्यवस्था की गई है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि रेलवे ने इस आयोजन को सफल और यादगार बनाने के लिए 4000 करोड़ रुपये खर्च किए हैं।

यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष कदम

सूचना प्रणाली: यात्रियों को 12 भाषाओं में सूचनाएं प्रदान करने की व्यवस्था की गई है। स्टेशनों पर यात्रियों के गंतव्य को पहचानने के लिए लाल, नीला, पीला, और हरा रंगों का उपयोग किया गया है। आयोजन के दौरान 13,300 गाड़ियों का संचालन होगा, जिसमें 10,000 नियमित ट्रेनें और 3300 विशेष ट्रेनें शामिल हैं। बारकोड आधारित यूटीएस टिकटिंग प्रणाली लागू की गई है।

सुरक्षा और निगरानी के पुख्ता इंतजाम

पांच स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था के तहत 1186 सीसीटीवी कैमरों में से 116 में फेस रिकग्निशन तकनीक का उपयोग किया गया है। 24×7 निगरानी के लिए रेलवे बोर्ड ने वार रूम की स्थापना की है। यात्रियों की सहायता के लिए 1000 स्वच्छता प्रहरी, 10,000 जीआरपी जवान, और 1000 स्वयंसेवक तैनात किए गए हैं।

10 महीने से खनौरी बॉर्डर पर डटे किसान की मौत

जगजीत सिंह डल्लेवाल की हालत बेहद नाजुक

एजेंसी । नई दिल्ली

खनौरी बॉर्डर पर चल रहे किसान आंदोलन में रविवार को एक और किसान की मौत हो गई। 80 साल के जग्गा सिंह फरीदकोट जिले के गोदारा गांव का रहने वाले थे। जग्गा सिंह को खनौरी बॉर्डर पर अधरंग का दौरा पड़ा था। उन्हें पटियाला के सरकारी राजिंदरा अस्पताल दाखिल कराया गया, जहां उनकी मौत हो गई है। वह 10 महीनों से खनौरी बॉर्डर पर आंदोलन में डटे हुए थे। किसान संगठनों ने सरकार से पीड़ित परिवार को मुआवजा देने की मांग की है। किसान नेताओं ने कहा कि आंदोलन में कई किसानों की मौत हो चुकी है मगर सरकार कोई सुनवाई नहीं कर रही है। जग्गा सिंह के पांच बेटे और एक बेटी है। किसान जग्गा सिंह के शव को आज खनौरी मोर्चे में लाया गया, जहां किसानों ने उन्हें श्रद्धांजलि भेंट की। कल उनके पैतृक गांव में उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

तीन हफ्ते में तीन किसान अपनी जिंदगी खो चुके

इससे पहले 9 जनवरी को तरनतारन जिले के पाहुविंड गांव के 55 वर्षीय किसान रेशम सिंह ने शंभू बॉर्डर पर सल्फास खाकर जान दे दी थी। रेशम सिंह को पटियाला के राजिंद्र अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। तीन सप्ताह के भीतर खनौरी बॉर्डर पर यह दूसरी आत्महत्या थी। इससे पहले दिल्ली कूच कर रहे किसानों के दल में शामिल एक किसान ने भी जहर खाकर जान दी थी। आज जग्गा सिंह की मौत हुई।

डिजिटल अरेस्ट का सरगना गिरफ्तार

एजेंसी । बेंगलुरु/नई दिल्ली

कोलकाता पुलिस ने देशभर में साइबर अपराध के सबसे बड़े मामलों में से एक, डिजिटल अरेस्ट सिंडिकेट के सरगना चिराग कपूर को बेंगलुरु से गिरफ्तार किया है। चिराग कपूर, जो खुद को सॉफ्टवेयर इंजीनियर बताता था, 930 मामलों में शामिल था और सात महीने से गिरफ्तारी से बच रहा था। कोलकाता पुलिस के साइबर अपराध पुलिस स्टेशन में 17 जून को दर्ज एक मामले की जांच के बाद चिराग कपूर की गिरफ्तारी हुई। शिकायतकर्ता देबाश्री दत्ता ने आरोप लगाया था कि उन्हें डिजिटल अरेस्ट का शिकार बनाकर 47 लाख रुपये ठग लिए गए। पुलिस ने छानबीन के दौरान 7,40,000 रुपये की ठगी का पता लगाया, जो जन स्मॉल फाइनेंस बैंक के खाते में जमा किए गए थे। इस खाते की मालिक ब्रेन बर्स्ट रोबोटिक्स की उमा बर्नी थी।

अवैध गतिविधियों का भंडाफोड़

सितंबर में आनंदपुर, पाटुली, और नरेंद्रपुर इलाकों में छापेमारी के दौरान पुलिस ने आठ लोगों को गिरफ्तार किया। छापेमारी के दौरान एक अस्थायी कार्यालय का खुलासा हुआ, जहां से अपराध को अंजाम दिया जाता था। जब्त किए गए सामान में 104 पासबुक/चेकबुक, 61 मोबाइल फोन, 33 डेबिट कार्ड, 140 सिम कार्ड, 40 मुहरें और 10 लीज एग्रीमेंट, सीसीटीवी मॉनिटरिंग उपकरण शामिल हैं: यह कार्यालय पूरे भारत में धोखाधड़ी के लिए फर्जी खाते और फर्जी पहचान पत्र बनाने का केंद्र था।

अन्य गिरफ्तारियां और सबूत

26 अक्तूबर को कपूर के एक सहयोगी को दिल्ली से गिरफ्तार किया गया। इसके बाद पुलिस ने चिराग कपूर का पता लगाकर उसे बेंगलुरु के जेपी नगर से पकड़ा। पुलिस ने चिराग कपूर के पास से राउटर, हार्ड डिस्क, लैपटॉप, मोबाइल फोन, सिम कार्ड, पैन कार्ड, चेक बुक और विभिन्न कंपनियों के नाम वाले रबर स्टैम्प बरामद किया।

चिराग कपूर की भूमिका

जांच में सामने आया कि चिराग कपूर उर्फ चिंतक राज इस पूरे सिंडिकेट का सरगना था और खुद को रसीईओश बताता था। वह एजेंटों के माध्यम से अपना नेटवर्क चलाता था ताकि पुलिस और अन्य एजेंसियों से बच सके।

फर्जी सिंडिकेट का नेटवर्क

यह सिंडिकेट पूरे भारत में फर्जी बैंक खाते, पहचान पत्र और डिजिटल माध्यमों से धोखाधड़ी करता था। पुलिस ने इस मामले में अब तक कुल 18 लोगों को गिरफ्तार किया है और जांच जारी है। पुलिस ने बताया कि चिराग कपूर बहुत ही संगठित तरीके से यह नेटवर्क चला रहा था। उसकी गिरफ्तारी से साइबर अपराध के कई मामलों को सुलझाने में मदद मिलेगी।

विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग-2025

बड़े लक्ष्य के लिए हर नागरिक को जुटना होगा: मोदी

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में बड़े सपने देखने और उन्हें हासिल करने पर दिया जोर

कहा, भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए युवाओं को कंफर्ट जोन से बाहर आकर चुनौतियां उठानी होंगी

एजेंसी । नई दिल्ली

मेरा विश्वास कहता है कि युवा शक्ति का सामर्थ्य भारत को विकसित राष्ट्र बनाएगा। रविवार को भारत मंडपम में आयोजित विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग-2025 को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवाओं के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि समय का चक्र देखिए, इसी भारत मंडपम में दुनियाभर के दिग्गज एकत्र होकर दुनिया का भविष्य तय कर रहे थे। आज मेरा सौभाग्य है कि उसी स्थान पर देश के नौजवान अगले 25 वर्षों में भारत कैसा हो, उसका रोडमैप तैयार कर रहे हैं। इसलिए भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए युवाओं को कंफर्ट जोन से बाहर आकर चुनौती उठानी होगी। बड़े सपने देखने होंगे और फिर उन्हें पूरा करने के लिए सामूहिक प्रयास भी करने होंगे।

लक्ष्य बड़ा पर असंभव नहीं

प्रधानमंत्री ने कहा कि जो लोग आंकड़ों का गुणा-भाग करते हैं, उन्हें लगता होगा कि यह बहुत मुश्किल है लेकिन मेरी आत्मा आप सभी के भरोसे से कहती है कि लक्ष्य बड़ा जरूर है लेकिन असंभव नहीं है। इतिहास हमें सीख और प्रेरणा देता है। दुनिया में अनेक उदाहरण हैं जब किसी देश, समुदाय और समूह ने बड़े सपनों और संकल्पों के साथ एक दिशा में चलना शुरू किया, तो उसे सिद्ध करके दिखाया। 1930 के दशक में अमेरिका भीषण आर्थिक संकट में फंस गया था लेकिन तब वहां की जनता ने ठाना। उसके बाद अमेरिका न केवल संकट से निकला, बल्कि विकास की रफ्तार को कई गुना तेज करके दिखाया।

अगले दशक तक 10 ट्रिलियन डॉलर के पड़ाव को भी पार कर जाएंगे

प्रधानमंत्री ने आह्वान किया कि बड़े लक्ष्य के लिए राष्ट्र के हर नागरिक का जुटना जरूरी है। अब विकसित भारत की जिम्मेदारी मोदी की नहीं, आपकी भी बन गई है। जब हमारे लक्ष्य और प्रयासों की एक दिशा होगी तो कोई विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने से नहीं रोक पाएगा। आज भारत के पास बड़ा अवसर है। भारत सबसे युवा देश रहने वाला है। दुनिया की तमाम बड़ी कंपनियों को भारत के युवा चला रहे हैं और आज पूरी दुनिया भारत के युवाओं की प्रतिभा की मुरीद है। युवाओं के सामने आने वाले 25 वर्षों का अमृतकाल है। जहां आपके पास सपने देखने और पूरा करने का सुनहरा अवसर है। उन्होंने बीते 10 वर्ष के कार्यों को गिनाते हुए कहा कि सरकार युवाओं के सपनों को पूरा करने के लिए कदम से कदम मिलाकर चल रही है। बीते 10 वर्षों में 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला। आज जिस रफ्तार से चल रहे हैं, उसके हिसाब से वह दिन दूर नहीं जब पूरा भारत गरीबी मुक्त होगा। इसलिए 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लिए हर दिन सपना देखना होगा और उसे पूरा करना होगा। अंतरिक्ष शक्ति के क्षेत्र में भी भारत अपने कदम तेजी से बढ़ा रहा है। हमें 2035 तक अंतरिक्ष में अपना स्टेशन स्थापित करना है। दुनिया ने चंद्रयान की सफलता देखी। अब गगनयान की तैयारी जोरों पर है। पर, हमें उससे आगे का सोचना है। प्रधानमंत्री ने कहा कि ऐसे अनेक लक्ष्य को हासिल करते हुए 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य हासिल कर पाएंगे। आज हम पांच ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के पड़ाव की तरफ बढ़ रहे हैं। भारत अगले दशक की समाप्ति तक 10 ट्रिलियन डॉलर के पड़ाव को भी पार कर जाएगा।

आप विधायक और कार्यालय स्टाफ को दोबारा नोटिस जारी

अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों से जुड़ा है मामला

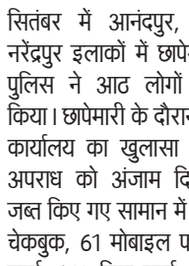

एजेंसी । नई दिल्ली

दक्षिणी दिल्ली जिला पुलिस ने रविवार को आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक मोहिंदर गोयल और उनके कार्यालय स्टाफ को अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों के मामले में दोबारा नोटिस जारी किया है। पुलिस ने विधायक और उनके स्टाफ को पूछताछ के लिए शामिल होने का निर्देश दिया है। पुलिस का कहना है कि विधायक की ओर से पहले नोटिस प्राप्त न होने का दावा किया गया था, जिसके बाद यह दूसरी नोटिस जारी की गई। पुलिस के अनुसार, यह मामला अवैध बांग्लादेशियों और उनके फर्जी दस्तावेज बनाने वाले गिरोह से जुड़ा है, जिसकी जांच जारी है। गत माह दक्षिणी दिल्ली पुलिस ने बांग्लादेशी नागरिकों के फर्जी दस्तावेज तैयार करने वाले एक गिरोह का पर्दाफाश किया था। इस कार्रवाई में 12 लोगों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें अवैध रूप से दिल्ली के विभिन्न इलाकों में रह रहे बांग्लादेशी नागरिक भी शामिल थे।

प्रधानमंत्री मोदी आज करेंगे जेड-मोड़ सुरंग का उद्घाटन

जनसभा को भी कर सकते हैं संबोधित

एजेंसी । श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण जेड-मोड़ सुरंग का सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उद्घाटन करेंगे। इसके लिए प्रधानमंत्री की घाटी की यात्रा के मद्देनजर रविवार को सुरक्षा कर्मियों ने पूरे इलाके को अपने सुरक्षा घेरे में ले लिया। कई स्थानों पर सर्च ऑपरेशन भी चलाया गया।

जरूरी सुरक्षा कदम उठाए गए

जिले के अधिकारियों ने बताया प्रधानमंत्री के दौरे और क्षेत्र की संवेदनशीलता को देखते हुए सभी जरूरी सुरक्षा कदम उठाए गए हैं। सेना, अर्धसैनिक बल और एसपीजी की तैनाती के साथ पूरे इलाके पर ड्रोन से निगरानी रखी जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि गगनगीर में सुरंग के उद्घाटन के बाद प्रधानमंत्री द्वारा एक सार्वजनिक रैली को संबोधित किए जाने की संभावना है। मालूम हो कि पिछले साल 20 अक्तूबर को गगनगीर क्षेत्र में सुरंग के पास हुए आतंकी हमले में एक स्थानीय डॉक्टर सहित सात लोग मारे गए थे। इस लिए सतर्कता पर विशेष जोर है। इस सुरंग का शुरू होना जम्मू और कश्मीर में सोनमर्ग क्षेत्र के लिए एक बड़ा परिवर्तनकारी कदम है। सुरंग के माध्यम से यह हिस्सा पूरे साल देश के अन्य हिस्सों से जुड़ा रहेगा।

गेहूं की भंडारण सीमा पर सख्ती बढ़ा सकती है सरकार

एजेंसी । नई दिल्ली

देश में गेहूं के भंडार में लगातार गिरावट देखने को मिल रही है। इसके देखते हुए माना जा रहा है कि कारोबारियों के लिए गेहूं की भंडारण सीमा और सरकारी गोदाम से गेहूं जारी करने पर आगे सरकार और सख्त कदम उठा सकती है। इसके जरिए सरकार आटे की कीमतों पर नियंत्रण बनाए रखना चाहती है। भारतीय खाद्य निगम के आंकड़ों के अनुसार, पहली जनवरी तक गेहूं का भंडार 18.4 मिलियन टन दर्ज किया गया, जो सरकार के 13.8 मिलियन टन के लक्ष्य से अधिक है, लेकिन यह पांच साल के औसत 26.7 मिलियन टन से काफी कम है। वहीं, गेहूं को लेकर भी कारोबारियों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। सरकार खुले बाजार में सीमित गेहूं उतार रही है। सरकार की इस वित्त वर्ष में खुले बाजार में 25 लाख टन गेहूं उतारने की योजना है, जबकि पिछले साल एक करोड़ टन गेहूं बाजार में उतारा गया था। इसे देखते हुए कारोबारियों ने सरकार से गेहूं की बिक्री बढ़ाने का आग्रह किया है।

चावल का रिकॉर्ड भंडार

वहीं, चावल के भंडार नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गए हैं। जनवरी की शुरुआत में ही चावल के भंडार सरकार के लक्ष्य से आठ गुना हो गए हैं। चावल का भंडार 1 जनवरी को 60.9 मिलियन मीट्रिक टन है, जबकि सरकार ने 7.6 मिलियन टन का लक्ष्य रखा था। इससे आने वाले दिनों में चावल के दाम में गिरावट की संभावना जताई जा रही है।

जवाहर लाल नेहरू को खट्टर ने बताया एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर

एजेंसी । नई दिल्ली

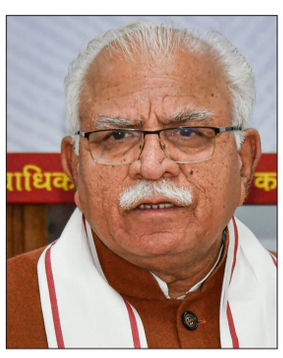

जवाहर लाल नेहरू को एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर कहने के हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं वर्तमान में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल के बयान पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा भड़क गए हैं। हुड्डा ने पलटवार करते हुए कहा कि खुद मनोहर लाल एक्सीडेंटल चीफ मिनिस्टर रहे। उनके पास बताने के लिए कोई उपलब्धि नहीं है। जनता का ध्यान भटकाने के लिए वह ऐसी बयानबाजी कर रहे हैं। हुड्डा ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल 9 साल के करीब प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे, लेकिन आज उनके पास बताने के लिए कोई उपलब्धि नहीं है इसलिए कांग्रेस की आलोचना करते रहते हैं।

हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस ने बाबा साहेब अंबेदकर का कांग्रेस ने पूरा सम्मान किया। वे संविधान निर्माण सभा के चेयरमैन थे। उनकी संविधान बनाने में अहम भूमिका रही। उन्होंने कहा कि वन नेशन-वन इलेक्शन का कोई मतलब नहीं है। कांग्रेस ने केवल संविधान में संशोधन किए थे, जबकि भाजपा संविधान को ही खत्म करना चाहती है। कांग्रेस ऐसा नहीं होने देगी। दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर हुड्डा ने कहा कि दिल्ली में भाजपा के पास कोई मुद्दा नहीं है इसलिए बंगले को मुद्दा बनाया जा रहा है, जो सरकारी है। कांग्रेस दिल्ली चुनाव में अच्छा प्रदर्शन करेगी। ईवीएम को लेकर हुड्डा ने कहा कि चुनाव आयोग की स्थिति के बारे में सबको पता है। मामला हाईकोर्ट में विचाराधीन है।